শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 250 | गुवाहाटी | मंगलवार, 9 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आबूधाबी के पहले हिंदू मंदिर में रमजान दौरान करवाया गया ओमसिय्यत पेज 2
हमारे लिए मुख्य मुद्दा जनता का हित है : मुख्यमंत्री पेज 3
नरेंद्र मोदी तीसरी बार बनेंगे भारत के प्रधानमंत्री : केशव प्रसाद मौर्य पेज 5
प्रगनानंदा और वैशाली की शानदार जीत, टूर्नामेंट में एक साथ जीतने वाले ... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

चतुरंगणी सेना (हाथी, घोड़े, रथ और पैदल) होने पर भी इन्द्रियों के वश में रहने वाला राजा नष्ट हो जाता है।

- आचार्य चाणक्य

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का असम दौरा फिर रद्द

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का मंगलवार को होने वाला असम दौरा फिर रद्द हो गया है। केंद्रीय मंत्री शाह पहले 8 अप्रैल को गहपुर के घाहीगांव स्टेडियम में चुनाव प्रचार के लिए आने वाले थे लेकिन बाद में इसे बदलकर 9 अप्रैल कर दिया गया था। शोणितपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार रंजीत दत्ता के प्रचार के लिए गृहमंत्री गहपुर में चुनावी कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे। पिछले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रचार के लिए गहपुर आए थे। इस बार गृहमंत्री के आगमन की खबरों को लेकर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह था। अमित शाह के कार्यक्रम के लिए भव्य पंडाल बनाया जा चुका है। उनके कार्यक्रम को लेकर लगातार पार्टी की बैठकें होती रहीं। अब 10 अप्रैल की दोपहर को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पंडाल घाहीगांव स्टेडियम में कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

सीएए के तहत अब तक सिर्फ एक व्यक्ति ने किया आवेदन : सीएम

चराईदेउ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर बेवजह राजनीति करने की कोशिशें की जा रही है। जहां आंदोलन करने वाले कह रहे थे कि सीएए लागू होने से ट्रक में भर-भर कर लाखों की संख्या में विदेशी असम में आ जाएंगे और असम में असमिया अल्पसंख्यक हो जाएंगे, लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं। सीएए के लागू हुए कई सप्ताह बीत जाने के बाद भी अब तक एक आवेदन से ज्यादा इस कानून के तहत नहीं आया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग इसको लेकर मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका कोई प्रभाव पड़ने वाला नहीं है। मुख्यमंत्री आज चराईदेउ में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि चराईदेउ जिले में अनेक बंगाली भाषी लोग रहते हैं, लेकिन इस जिले में अब तक किसी ने सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुद्दे को चुनाव के मौके पर तूल देने की कोशिशें की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सीएए विरोधी मंच का नेतृत्व कर रहे पत्रकार डॉ. हिरेन गोहाईं इसको लेकर लगातार बयानवाजी कर रहे हैं। सीएए विरोधी मंच का गठन करके राजनीति करने की कोशिशें की जा रही है। इसी बीच मंगलवार को उच्चतम् न्यायालय में सीएए पर सुनवाई होना है। देखना -शेष पृष्ठ दो पर

भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई होगी, यह मोदी की गारंटी : प्रधानमंत्री

रायपुर/बस्तर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में चुनावी शंखनाद करते हुए कहा कि भ्रष्टाचारियों पर हर हाल में कड़ी कार्रवाई होगी, यह मोदी की गारंटी है। मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने मोदी की गारंटी पर मुहर लगाई जिसकी बदौलत आज पूरा देश मोदी की गारंटी पर विश्वास कर रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर जगदलपुर पहुंचे। यहां से वे हेलिकॉप्टर के जरिए आमाबाल गांव पहुंच कर भाजपा की विजय संकल्प शंखनाद रैली को संबोधित किया। रैली में पांच विधानसभा क्षेत्र के हजारों ग्रामीण पीएम मोदी को सुनने के लिए पहुंचे। मोदी ने मंच से बलिराम कश्यप को याद करते हुए कहा कि यहां का कोई क्षेत्र ऐसा नहीं, जहां मैं और बलिराम जी ने दौरा नहीं किया। जो पुरुषार्थ हमने किया, उसका ही आज परिणाम है। आदिवासी कल्याण के लिए बलिराम जी के साथ हमेशा बहुत कुछ करने के लिए प्रयास करते रहते थे, कोई कमी नहीं रहने देते थे। मोदी ने विजय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक गरीब की चिंता दूर नहीं होगी, मोदी चैन से नहीं बैठेगा। कच्ची छत के नीचे का दुख और राशन नहीं होने की चिंता मुझे पता है। देश में 25 -शेष पृष्ठ दो पर

असम-नगालैंड सीमा पर गोलीबारी, नगाओं ने की गाय की हत्या

गोलाघाट (हि.स.)। असम-नगालैंड सीमा पर मेरापानी में गोलीबारी की घटना सामने आई है। आरोपों के अनुसार सोमवार को नगा उपद्रवियों ने पहले रमेन राभा नामक व्यक्ति के गाय की गोली मारकर हत्या दी। फिर उसका अंग काटकर ले गए। फिर उसी इलाके के नोमल मुसाहारी नामक व्यक्ति के घर के सामने जमकर हवाई फायरिंग की और उन्हें धमकाया। इस घटना को लेकर पूरे गांव में आतंक व्याप्त हो गया है। इसकी सूचना -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव के बाद कांग्रेस के और भी मंत्री भाजपा में शामिल होंगे : मुख्यमंत्री

तिताबर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस और पार्टी के नेताओं को लेकर कई दावे किए। सीएम शर्मा ने दावा किया कि राहुल गांधी की *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* के राज्य से गुजरने के बाद कांग्रेस नेताओं का *पलायन* शुरू हुआ। सीएम शर्मा ने जोरहाट जिले के तिताबर में एक इंटरव्यू के दौरान *जमीनी स्थिति की उचित जानकारी लिए बिना* असम में जाति आधारित जनगणना और मणिपुर हिंसा जैसे विषयों को उठाने के लिए गांधी की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के और भी नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होंगे। जब सीएम पूछा गया कि क्या यात्रा का लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य में कोई असर दिखेगा या नहीं। इसपर उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान उन्होंने (गांधी ने) सड़कों पर (राजनीतिक) हाराकिरी (आत्मघाती कदम उठाना) -शेष पृष्ठ दो पर

बिहू समितियों को 1.5 लाख रुपए देगी राज्य सरकार

गुवाहाटी। असम सरकार ने राज्य की प्रत्येक बिहू समितियों को 1.5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता देने का वादा किया है। कुल 35 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ इस पहल का लक्ष्य पूरे असम में 2,306 बिहू समितियों को लाभ पहुंचाना है। हालांकि, इन निधियों का वितरण चुनाव आयोग से अनुमोदन प्राप्त करने पर निर्भर है, जो चल रही चुनावी प्रक्रिया के लिए आवश्यक एक प्रक्रियात्मक कदम है। गौरतलब है कि राज्य सरकार की ओर से इस -शेष पृष्ठ दो पर

चराइदेउ मैदान को इस साल यूनेस्को विरासत टैग मिलने की संभावना : डॉ. शर्मा

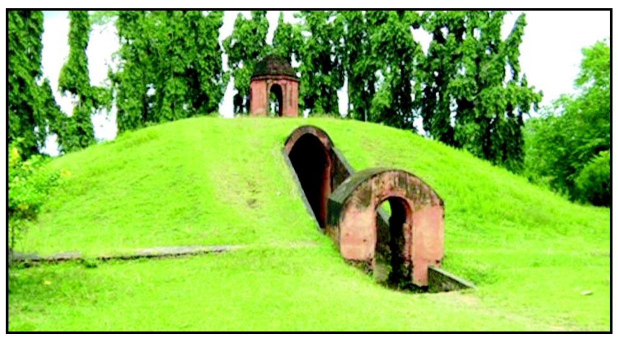

जोरहाट। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि चराइदेउ के मैदान, अहोम राजघरानों के दफन टीले, इस साल के अंत तक यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल का दर्जा प्राप्त करने के लिए तैयार हैं। असम के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्पण की सराहना करते हुए शर्मा ने जनता से उन्हें लगातार तीसरी बार समर्थन देने का आग्रह किया। जोरहाट लोकसभा सीट के तहत चराइदेउ में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, शर्मा ने मोदी के साथ अपनी मुलाकात का जिक्र किया, जहां उन्होंने यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल लेबल के लिए देश के नामांकन के रूप में *मैदाम्स* की सिफारिश करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अधिकारियों ने मुझे बताया कि आधिकारिक नामांकन के लिए दो प्रस्ताव थे - हमारे मैदाम और सारनाथ, बौद्ध तीर्थस्थल। जब मैं हमारे सांस्कृतिक मंत्री से मिला, तो उन्होंने कहा कि उनके पास पीएम से संपर्क करने का साहस नहीं है क्योंकि सारनाथ वाराणसी निर्वाचन क्षेत्र में है। शर्मा ने कहा कि मैंने पीएम से मुलाकात की और मोदीजी से चराइदेउ मैदान को पिछले साल यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के लिए देश से एकमात्र नामांकन -शेष पृष्ठ दो पर

उ.प्र. से माफिया राज का हो गया खात्मा : नड्डा

बिजनौर (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि साल 2014 से पहले यूपी उत्पीड़न, पक्षपात वाला प्रदेश था। देश के पीएम के नेतृत्व में और सीएम योगी के प्रयास से अब उत्तर प्रदेश से उत्तम प्रदेश बन गया है। माफिया राज का खात्मा हो गया है। बीमारू राज्य से विकसित प्रदेश की और से तेजी बढ़ रहा है। उन्होंने इंडी गठबंधन को घमंडिया ठगबंधन बताया। कहा कि विपक्ष के सारे नेता भ्रष्टाचार के आरोपों में लिप्त है। इनमें आधे जेल में हैं और आधे बेल पर हैं। उन्होंने देश में एक बार फिर से मोदी सरकार को बनाने को नगीना लोकसभा पार्टी प्रत्याशी को रिकॉर्ड मतों से जिताने को 19 अप्रैल को एक एक वोट को डालने की अपील की। धामपुर में मुरादाबाद मार्ग पर प्रियंका स्कूल के मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 10 साल पहले यूपी बीमारू राज्य कहलाता था। जंगलराज के कारण लोगों के घरों में रात को चूल्हे -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी दफ्तर के बाहर धरना दे रहे टीएमसी कार्यकर्ता हिरासत में

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों को लेकर तेज हुई सरगर्मी के बीच राजधानी दिल्ली में चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन कर रहे टीएमसी नेताओं को हिरासत में लिया गया है। दरअसल, टीएमसी का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ धरना कर रहा था। जिन्हें पुलिस ने हटाने की कोशिश की। इसी दौरान कुछ नेताओं को हिरासत में लिया गया है। इसके कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। टीएमसी के जिन नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है उनमें टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन, मोहम्मद नदीमुल हक, डोला सेन, साकेत गोखले और सागरिका घोष, विधायक विवेक गुप्ता, पूर्व सांसद अर्पिता घोष, शांतनु सेन और अबीर रंजन विश्वास और पार्टी की छात्र शाखा पश्चिम बंगाल के उपाध्यक्ष सुदीप राहा -शेष पृष्ठ दो पर

मोजाम्बिक में नौका दुर्घटना, 90 से अधिक लोगों की मौत

हरारे (हि.स.)। जिम्बाब्वे में मोजाम्बिक के उत्तरी तट पर रविवार को *अस्थाई नौका* दुर्घटना में 90 से अधिक लोगों की मौत हो गई। इनमें बड़ी संख्या में बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय ऑनलाइन आउटलेट टीवी डियारियो नामपुला के अनुसार, नाव में 130 लोग सवार थे। आउटलेट के प्रसारण में कहा गया है कि नाव देश के उत्तर में नामपुला प्रांत में लुंगा और मोजाम्बिक द्वीप के बीच चल रही थी जो अचानक पलट गई। बचाव प्रयास सोमवार -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र और राज्य के बीच नहीं होना चाहिए टकराव : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई की जिसमें सूखा प्रबंधन के लिए कर्नाटक को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से वित्तीय मदद जारी करने का आग्रह किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि केंद्र और प्रदेश के बीच कोई टकराव नहीं होना चाहिए। केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए। उन्होंने न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि वे इस मामले में निर्देश प्राप्त करेंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि विभिन्न राज्य सरकारों को अदालत का रुख करना होता है। शीर्ष अदालत ने केंद्र को कर्नाटक की याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने शीर्ष अदालत से मामले की सुनवाई दो हफ्ते बाद करने का आग्रह किया -शेष पृष्ठ दो पर

भारतीय सियासत में पिछड़ती महिलाएं संसद में संख्या केवल 15 फीसदी

नई दिल्ली। भारतीय संसद में आधी आबादी यानी महिलाओं के लिए आरक्षण को लेकर संविधान में 128वां संशोधन विधेयक सितंबर 2023 लोकसभा में पेश किया गया था, हालांकि यह 2029 में लागू होगा। इस विधेयक में महिला उम्मीदवारों के लिए लोकसभा और राज्यों की विधान सभाओं में एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। वर्तमान में कई प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं की संसदों पर गहराई से नजर डालें तो पता चलता है कि अन्य देशों के मुकाबले भारत की संसद में महिलाओं की भागीदारी काफी कम है। भारत संसद में लोकसभा में सिर्फ 15 फीसदी और -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात के कच्छ में मिले 5700 साल पुरानी हड़प्पा सभ्यता के अवशेष

अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ में पुरातत्व वैज्ञानिकों ने एक अहम खोज की है। दरअसल कच्छ में 5000 साल से भी ज्यादा पुरानी हड़प्पा सभ्यता के अवशेष पाए गए हैं। साल 2018 में पुरातत्व वैज्ञानिकों की एक टीम ने कच्छ के जूना खटिया गांव के नजदीक एक 500 कब्रों वाले कब्रिस्तान की खोज की थी। इसी कब्रिस्तान से हड़प्पा काल की पांच हजार साल पुरानी बस्ती के अवशेष खोजने में मदद मिली। क्रांतिगुरु श्यामजी कृष्णा वर्मा कच्छ यूनिवर्सिटी में पुरातत्व विभाग के प्रमुख डॉ. सुभाष भंडारी ने बताया कि साल 2018 में खुदाई के दौरान जूना खटिया गांव के नजदीक एक सामूहिक कब्र मिली थी। इस कब्र के मिलने के बाद सवाल उठा कि जिन लोगों को यहां दफनाया गया, वो कहां रहते थे। इसी सवाल ने हड़प्पा काल की बस्ती की खोज में मदद की। अब पुरातत्व वैज्ञानिकों की टीम ने कब्रिस्तान से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर पड़ता बेट इलाके में हड़प्पाकालीन एक बस्ती के अवशेष खोज निकाले हैं। खोज में मिली हड़प्पा काल बस्ती के 5700 साल पुराने -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकी पन्नू ने पीएम मोदी और राजनाथ के खिलाफ उगला जहर

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। आतंकी ने एक वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर को चुनौती दी है। पन्नू ने मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की बात कहते हुए कहा कि उसका संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह के लिए अभियान जारी रखेगा। पन्नू ने 19 अप्रैल से शुरू होने वाले लोकसभा चुनावों में पीएम मोदी के खिलाफ एक साजिश रचने की भी बात कही। आतंकी ने कहा कि वो अपने संगठन से अपील करेगा की वो भाजपा नेताओं की रैलियों में उन्हें शर्मिंदा करें और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

AFFIDAVIT

I, Hanghuh Konyak, S/o. Chuhu Konyak, of Vill. : Mohung, Longching, Dist. : Mon, Nagaland declare vide an affidavit on 08.04.2024 at Kamrup (M) Guwahati, Assam that my Sons actual name is CHUHU MANKA which is recorded in all documents. But in some documents his name has been recorded as ASHER MANKA instead of CHUHU MANKA. I do hereby declare that Asher Manka and Chuhu Manka is same and one person i.e. my son.

आबूधाबी के पहले हिंदू मंदिर में रमजान के दौरान करवाया गया ओमसिय्यत

दुबई। अबू धाबी में बने पहले हिंदू मंदिर बीएपीएस में रमजान के पाक महीने दौरान अंतरधार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम ओम्सिय्यत का आयोजन किया गया जिसमें मुस्लमान भाईचारे के धर्म गुरू के अलावा विभिन्न धर्मों के 200 से प्रमुख व प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में मंदिर में स्वामी ब्रह्मविहरिदास के साथ सहिष्णुता और सह-अस्तित्व मामलों के मंत्री शेख नाह्यान बिन मुबारक अल नाह्यान के अलावा, विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ थानी बिन अहमद अल जेयौदी, और सामुदायिक विकास विभाग के अध्यक्ष डॉ मुगीर खामिस अल खैली सहित कई प्रमुख हस्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में यह कार्यक्रम दो अप्रैल को आयोजित हुआ जिसमें स्थानीय धार्मिक समुदायों के नेता उपस्थित हुए। अब्राहमिक फैमिली हाउस के रब्बी जेफ बर्जर, रब्बी लेवी दुचमैन, चर्च ऑफ साउथ इंडिया पैरिश के फादर लालजी और बाह आई समुदाय के नेता उपस्थित थे। इस दौरान अब्राहमिक फैमिली हाउस के रब्बी जेफ बर्जर ने कहा कि विविधता में एकता केवल एक सिद्धांत नहीं है बल्कि यह एक अभ्यास है। इसे आज रात यहां स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया गया है। यह कार्यक्रम समझ और सम्मान की दिशा में हमारी साझा यात्रा का प्रतीक है। जबकि शेख नाह्यान ने बीएपीएस हिंदू मंदिर के प्रभाव पर जोर देते हुए कहा कि जब दुनिया अलगाववाद, अविश्वास, असहिष्णुता और संघर्षों से खतरे में हैं, तब यह मंदिर लोगों में आशा लाता है। मैं इस अंतरधार्मिक कार्यक्रम के लिए बीएपीएस हिंदू मंदिर की सराहना करता हूं। सभी मानव जाति की भलाई के लिए सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रेखाओं में एक साथ काम करने का हिंदू मंदिर का मजबूत संकल्प वास्तव में सराहनीय है। कार्यक्रम का समापन शाकाहारी *सुहूर* के साथ हुआ, जिसमें मंदिर के स्वयंसेवकों द्वारा बनाए गए अरबी और भारतीय भोजन शामिल थे। अंत में मंदिर के प्रमुख स्वामी ब्रह्मविहरिदास ने सभी मेहमानों का आभार जताया।

मुख्तार अंसारी को जहर दिया गया या नहीं, 15 दिन में आ सकती है रिपोर्ट

बांदा (हिंस)। बांदा जेल में लगभग तीन साल बंद रहे। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की मौत ने जेल और मेडिकल कॉलेज प्रशासन के लिए सवालों की लंबी फेहरिस्त छोड़ दी है। जिसके जवाब ढूंढने के लिए न्यायिक और मजिस्ट्रेटी जांच समिति छानबीन करने में जुटी है। मेडिकल कॉलेज ने मुख्तार अंसारी की मौत हार्ट अटैक से मानी है। पोस्टपार्टम रिपोर्ट ने भी इसी बात की पुष्टि की है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल उसे खाने में जहर दिया गया था या नहीं। इसका जवाब लगभग 15 दिन बाद बिसरा रिपोर्ट आने के बाद मिल सकता है। गौरतलब है कि मुख्तार अंसारी के पोस्टमार्टम के बाद जो रिपोर्ट आई थी। उसमें मृत्यु का कारण शॉक और मायोकॉर्डल इन्फेक्शन (एमआई) दर्शाया गया है। मेडिकल में शॉक का मतलब ब्लड प्रेशर का कम हो जाना एमआई का मतलब हार्ट का एक हिस्सा पीला पड़ जाना। इसके मुताबिक मुख्तार अंसारी के हार्ट का लगभग 2म1.5 सेंटीमीटर हिस्सा पीला पड़ गया था। उस पीले हिस्से में ब्लड के क्लाट पाये गए थे। इसी से मौत की वजह मायोकारडेल इन्फेक्शन दिखाया गया है। लेकिन इस रिपोर्ट पर मुख्तार अंसारी के परिजनों को यकीन नहीं है। इस रिपोर्ट पर सवाल उठाए जा रहे हैं। मुख्तार अंसारी और उसके परिजनों ने खाने में जहर देने का आरोप लगाया था। प्रशासन ने मौत की वजह स्पष्ट होने के बावजूद धीमा जहर देने के आरोपों के मद्देनजर पोस्टमार्टम के दौरान विसरा प्रिजर्व कराया था। विसरा प्रिजर्व में शरीर के पांच आर्गन को शामिल किया गया है। पोस्टमार्टम कर रहे डॉक्टर के पैनल ने विसरा को सुरक्षित करने के बाद पुलिस को सौंप दिया था। अब इस रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस रिपोर्ट के आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि मुख्तार अंसारी को जहर दिया गया है या नहीं। आमतौर पर विसरा रिपोर्ट दो से तीन महीने के भीतर आती है। कभी-कभी तो इससे अधिक समय भी लग जाता है, लेकिन मुख्तार की मौत की जांच की सबसे अहम कड़ी विसरा रिपोर्ट जल्दी मंगाने की कोशिश की जा रही है।

खड़े ट्रक से टकराया वाहन, सहायक अभियंता की मौत व कई घायल

नगांव (हिंस)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 पर सामगुड़ी के हसारा बाराली गांव में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे में चुनाव कार्य से जुड़े एक सहायक अभियंता की मौत हो गई। इस दुर्घटना में चार लोग घायल हुए हैं। घायलों में दो को गंभीर हालत में नगांव मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि गांव के काठियातली विकास खंड में सहायक अभियंता पद पर कार्यरत जयंत अपने चार साथियों के साथ चुनाव ड्यूटी पर वाहन से कहीं जा रहे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 पर सामगुड़ी के हसारा बाराली गांव में उनके वाहन ने सड़क पर खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में पांचों गंभीर रूप से घायल हो गए। सामगुड़ी पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर हालत में सभी को नगांव मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। इस दौरान घायल सहायक अभियंता जयंत की मौत हो गई। जयंत लोकसभा चुनाव के लिए उड़नदस्ते के अधिकारी थे और नगांव के काठियातली विकास खंड में सहायक अभियंता पद पर कार्यरत थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि उसी स्थान पर रविवार को भी एक दुर्घटना हुई थी, जिसमें 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान दो एसबीबीएल बंदूकें, चार नंबर 36 एचई हैंड ग्रेनेड, दो ट्यूब लांचर, दो केनवुड डब्ल्यू/टी सेट, मैगजीन के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल (देश निर्मित), 50 गोला बारूद, एक चार्जर गार्ड, एक एसएलआर बंदूक साथ, एक मैगजीन और एक कार्बाइन के साथ एक मैगजीन इंफाल पश्चिम जिले के उचीवा लम्हांग से बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

नक्सलियों ने पोस्टर चिपकाकर धमकी दी

पश्चिम सिंहभूम (हिंस)। जिले के कोल्हान रिजर्व वन क्षेत्र अत्यंत नक्सल प्रभावित टोंटो एवं गोईलकेरा के सीमावर्ती गांव पोखरीबुरु, बांकी, लुईया एवं सांगाजाटा जाने वाले मार्ग स्थित बोर्ड और लोगों के घरों की दीवार पर भाकपा माओवादी नक्सलियों ने रविवार रात बड़े पैमाने पर बैन-पोस्टर लगाए हैं। इन बैनर-पोस्टरों में तमाम पुलिस कैंप को बंद कर पुलिस को वापस करने, जनता पर युद्ध अभियान बंद करने, चुनाव का बहिष्कार करने आदि की बात लिखी गई है।

Apollo HOSPITALS
APOLLO HOSPITALS CHENNAI
CARDIOLOGY/ CARDIAC ELECTROPHYSIOLOGIST
Dr. A.M. Karthigesan
Cardiac Electrophysiologist & Pacing Specialist
visiting GUWAHATI on 21st April'2024
Feeling over tired & weak, irregular heart beat (fast or slow heartbeat), shortness of breadth, chest pain, High pressure, tightness of chest & discomfort, feeling dizzy or lightheaded or fainting, Pacemaker implantations & checkups, Electrophysiology study & RF ablation, ICD or CRT device implantation & checkups can register
APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

सीएए के तहत ...

यह है कि उच्चतम् न्यायालय इस पर क्या रुख हथियार करता है। उल्लेखनीय है कि नागरिकता संशोधन कानून संसद से पास होने के बाद असम में कई चुनाव हो चुके है जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा को भारी सफलता मिलती रही है। यहां तक कि इसके सहयोगी दल असम गण परिषद ने इस कानून के पास होने के बाद भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ दिया था। लेकिन, कुछ ही दिन बाद हुए चुनाव में पार्टी धराशाई हो गई। जबकि, भाजपा को पहले से भी अधिक सीटें मिली। इसके बाद फिर से अगप भाजपा के साथ शामिल हो गई। असम की जनता पर इसका कोई असर होते अब तक नहीं देखा गया है।

भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई ...

करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। मोदी ने कहा बस्तर से आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना की शुरुआत हुई। जिससे देशभर के गरीबों को फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की पहली प्राथमिकता गरीब लोगों की चिंता है। 11 हजार से ज्यादा जन औषधि केंद्र खोले। उन पर 80 प्रतिशत छूट के साथ दवाएं मिलती हैं। इससे गरीबों को 30 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल में देश कहां से कहां पहुंचा देश ने कितनी प्रगति की है। बस्तर के लोगों ने मोदी की गारंटी पर मोहर लगाई है। आज उसी विश्वास पर पूरा देश कह रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। मोदी आराम करने के लिए नहीं काम करने के लिए पैदा हुआ। यह 24 बाय 7 और 2047 के लिए है। मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला करते हुए कहा कि 4 लाख करोड़ के वैक्सीन भारत में मुफ्त लगे। कांग्रेस की अमीरों की सरकार के समय देश में बीमारी का टीका आने में दशकों लग जाते थे लेकिन मोदी ने गरीबों को मुफ्त वैक्सीन भी दी, मुफ्त राशन भी दिया। जबकि दूसरे देशों में हजारों रुपए में वैक्सीन लग रहे थे। तब भारत के लोगों को मुफ्त वैक्सीन लगवाई गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में दिल्ली से एक रुपए निकलता था और सिर्फ 15 पैसा गांव तक पहुंचता था। यह मैं नहीं कह रहा हूं, कांग्रेस के ही प्रधानमंत्री ने कहा था। कौन-सा पंजा था जो 85 पैसा मार लेता था। मोदी ने कांग्रेस की लूट की व्यवस्था बंद कर दी है। लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लगने के बाद यह पीएम मोदी का पहला दौरा है। बस्तर में विजय संकल्प रैली में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी शामिल हुए।

असम-नगालैंड सीमा ...

तत्काल ही मेरापानी थाने में दी गई। लेकिन, खबर लिखे जाने तक घटनास्थल पर पुलिस या नागरिक प्रशासन की ओर से किसी के पहुंचने की सूचना नहीं है। उल्लेखनीय है कि पहले भी असम नगालैंड की सीमा पर कई बार संघर्ष होने की घटना सामने आ चुकी है। दोनों ही राज्यों की पुलिस द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध गोलीबारी भी की गई थी। इसके बाद से सीमा पर सीआरपीएफ को तैनात कर दिया गया था। लेकिन, आज घटना की सूचना दिए जाने के बावजूद सुरक्षा बल वहां मौजूद नहीं हो सके हैं।

लोस चुनाव के ...

की। कांग्रेस नेताओं सहित लोग बहुत नाराज हुए। इससे हमें बहुत मदद मिली। सीएम शर्मा ने कहा कि राहुल किसी राज्य की संस्कृति को नहीं जानते हैं। वह अपने सहयोगियों के साथ अध्ययन या चर्चा नहीं करते हैं। वह आते हैं और लोगों को परेशान करते हैं। अगर हम किसी राज्य में जाते हैं, तो हमारे पास उचित ब्रीफिंग होगी जैसे कि सांस्कृतिक प्रतीक कौन हैं, कौन सी बातें कही जानी चाहिए या नहीं कही जानी चाहिए और उस राज्य की संवेदनशीलताएं क्या हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने दावा किया कि वह किसी राज्य में जाने से पहले ब्रीफिंग और डीब्रीफिंग लेते हैं ताकि कुछ भी गलत न हो। सीएम शर्मा ने कहा कि राहुल इस तरह की ब्रीफिंग के बिना आते हैं। और वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, जानबूझकर या अनजाने में स्थानीय लोगों को अपमानित करते हैं और इससे समस्या पैदा होती है। सीएम ने कहा कि असम एक जातिविहीन समाज है और लोग जातिवाद में विश्वास नहीं करते हैं। अगर अचानक कोई यहां आता है और जाति जनगणना के बारे में बात करता है, तो कोई भी इसे स्वीकार नहीं करेगा। जाति जनगणना बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में प्रासंगिक हो सकती है, लेकिन असम में नहीं।

बिहू समितियों को...

तरह की वित्तीय सहायता का यह पहला मामला नहीं है। पिछले वर्ष बिहू समितियों को भी इसी तरह की सहायता प्रदान की गई थी। इस वर्ष सहायता की घोषणा करने की सरकार की मंशा के बावजूद, आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण औपचारिक घोषणा में देरी हुई है। यह पहल सांस्कृतिक उत्सवों के पोषण और सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। बिहू समारोहों में वित्तीय सहायता देने से यह अनुमान लगाया गया है कि इस महत्वपूर्ण त्योहार की जीवंतता और सफलता को और बढ़ाया जाएगा, जिससे पूरे असम में समुदायों को लाभ होगा। असम में सबसे बड़े उत्सव बिहू उत्सव की तैयारी चल रही है, विभिन्न बिहू आयोजन समितियां सक्रिय रूप से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बिहू नृत्य कार्यशालाओं की व्यवस्था कर रही हैं, जो आगामी उत्सवों के उत्साह और उत्साह को दर्शाती हैं।

चराइदेउ मैदान को ...

बनाने का अनुरोध किया। सीएम ने दावा किया कि इस साल तक चराइदेउ मैदान यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का हिस्सा होगा। मैदाम्स, ताई अहोम राजवंश की दिवंगत मध्ययुगीन (13वीं-19वीं सदी) टीले पर दफनाने की परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, जिसने असम में 600 वर्षों तक शासन किया था। अब तक खोजे गए 386 मैदामों में से, चराइदेउ में 90 शाही कब्रगाहें इस परंपरा का सबसे अच्छा संरक्षित, प्रतिनिधि और सबसे संपूर्ण उदाहरण हैं। शर्मा ने यह भी कहा कि असम प्रधानमंत्री के लिए एक विशेष स्थान रखता है, जैसा कि कई मौकों पर उनके *गामोसा* (असमिया पारंपरिक दुपट्टा/तौलिया) पहनने से स्पष्ट होता है। उन्होंने कहा कि मोदी जी जब कोविड वैक्सीन लेने गए तो उन्होंने गामोसा पहना हुआ था। बाद में, जब मैंने उनसे पूछा कि उन्होंने इसे क्यों चुना, तो मोदीजी ने मुझे बताया कि गामोसा उन्हें साहस देता है। शर्मा ने कहा कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में प्रधानमंत्री के हालिया रात्रि प्रवास ने पर्यटक स्थल की ओर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। राज्य सरकार की *अरुणोदोई* और *लखपति बाइदेउ* योजनाओं जैसी लोगों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को सूचीबद्ध करते हुए, सीएम ने दावा किया कि सरकार लोगों के लिए काम करना जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम ने राज्य में उन्हें *मामा* कहे जाने का जिक्र करते हुए कहा कि *मोदी की गारंटी* के साथ, आपके पास *मामा की वारंटी* भी है।

ईसी दफ्तर के ...

शामिल हैं। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांग पर जोर देने के लिए चुनाव आयोग (ईसी) की पूर्ण पीठ से मुलाकात के बाद धरने की घोषणा की थी। इसके जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें देखा जा सकता है कि टीएमसी नेताओं ने अपने हाथों में केंद्रीय एजेंसियों का विरोध करने वाले पोस्टर अपने हाथों में ले रखे थे। जिनमें केंद्रीय एजेंसियों जैसे सीबीआई, ईडी और एनआईए के खिलाफ नारे लिखे गए थे। साथ ही इसमें इन एजेंसियों के निदेशकों को बदले जाने की मांग भी की गई थी। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी लगातार आरोप लगाती रही है कि केंद्रीय जांच एजेंसियां भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के इशारे पर विपक्षी दलों को निशाना बना रही हैं। दिल्ली रवाना होने से पहले सेन ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्गोंने कहा था कि भाजपा हमारे खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। जिस तरह से एनआईए, ईडी और सीबीआई काम कर रही है और टीएमसी नेताओं को निशाना बना रही है, वह शर्मनाक है। हम चुनाव आयोग से सभी राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का अनुरोध करेंगे। गौरतलब है कि टीएमसी के नेताओं का यह प्रदर्शन तब हो रहा है जब हाल ही में पश्चिम बंगाल में एनआईए की टीम पर हमला हुआ है। इसके बाद से भाजपा और टीएमसी में जुबानी जंग तेज हो गई है। टीएमसी का दावा है कि केंद्रीय एजेंसियों ने भाजपा के साथ हाथ मिला लिया है और वे लोकसभा चुनाव से पहले उनकी पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार कर रही हैं। वहीं भाजपा का आरोप है कि टीएमसी सरकार में बंगाल में अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है और राज्य में कानून व्यवस्था दिनों-दिन बिगड़ती जा रही है। बीते हफ्ते एनआईए की टीम भूपतिनगर में साल 2022 में हुए बम धमाके के मामले में छापेमारी करने और दो आरोपियों (मनोब्रतो जाना और बालीचरन मैती) को गिरफ्तार करने पहुंची थी। इस दौरान जब एनआईए टीम दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लौट रही थी, तो स्थानीय लोगों ने एनआईए टीम पर पथराव किया। जिसमें एनआईए की गाड़ियों के शीशे टूट गए और कई अधिकारी घायल हुए।

मोजाम्बिक में नौका ...

को भी जारी है। नाव यात्रियों में कुछ लोग एक मेले में भाग लेने जा रहे थे। अन्य लोग कथित रूप से हैजा फैलने की सूचना से घबरा कर इस नाव में सवार होकर अन्यत्र जा रहे थे। नामपुला प्रांत के राज्य सचिव जैमे नेटो ने कहा कि कथित हैजा फैलने की गलत सूचना के कारण लोग घबरा गए और भागने की कोशिश में नाव पर चढ़ गए। आमतौर पर इस नाव का इस्तेमाल मछली पकड़ने के लिए होता है।

केंद्र और राज्य...

और कहा कि वे इस मामले में निर्देश लेंगे। पीठ ने कहा कि केंद्र और राज्य के बीच टकराव नहीं होना चाहिए। मेहता ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करने के बजाय अगर किसी ने इस मुद्दे पर प्राधिकारियों से बात की होती तो समस्या का समाधान हो सकता था। पीठ ने कहा कि हमने देखा है कि विभिन्न राज्य सरकारों को अदालत का रुख करना पड़ा है। इस पर मेहता ने कहा कि मैं यह नहीं कहना चाहता कि क्यों करना पड़ा है, लेकिन यह प्रवृत्ति बढ़ी है। जब पीठ ने कहा कि वह केंद्र सरकार को नोटिस जारी करेगी तो मेहता ने कहा कि आपसे नोटिस जारी न करने का आग्रह है। यह भी खबर बन जाती है। हम यहां हैं। पीठ ने कहा कि अग्रिम नोटिस पर पेश हुए शीर्ष कानून अधिकारियों ने कहा है कि वे निर्देश लेंगे। अगली तारीख पर अदालत के सामने एक बयान देंगे। शीर्ष अदालत ने मामले में अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद करेगी। याचिका में यह भी घोषणा करने का आग्रह किया गया है कि एनडीआरएफ के तहत सूखे की व्यवस्था के लिए वित्तीय मदद जारी न करने का केंद्र का कदम संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत राज्य के लोगों के लिए गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का पहली नजर में उल्लंघन है। इसमें कहा गया है कि राज्य गंभीर सूखे से जूझ रहा है, जिससे लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। पिछले साल जून से सितंबर तक के खरीब के सीजन के लिए 236 तालुकों में से 223 को सूखा प्रभावित घोषित किया गया।

उ.प्र. से माफिया ...

तक नहीं जलते थे। माफिया, गुंडाराज कायम था। गांवों में बिजली तक नहीं थी। भाजपा की डबल इंजन सरकार पीएम मोदी के नेतृत्व में सभी जाति धर्मों के लोगों को साथ लेकर भरोसा जीत विकास के नाम पर भारत का विश्व में डंका बज रहा है। व्यापारी खुली हवा में फल फूल रहा है। गैर भाजपा दलों की सरकारों में जमकर लूटपाट होती थी। गुलामी का राज हुआ करता था। आज मोदी के राज में एयरपोर्ट बन रहे हैं। रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प हो रहा है। सड़कों का जाल बिछ रहा है। भारत की आर्थिक स्थिति सुधरी है। सरकार ने जो वायदे किए हैं, संकल्प के साथ पूरे कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि जीडीपी ग्रोथ में सुधार हुआ है। इकोनामिक ग्रोथ तीन गुना बढ़ा है। नड्डा ने अयोध्या के राम मंदिर और अनुच्छेद 370 का भी विस्तार से जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मोदी जो कहते हैं, उसे करते हैं। कश्मीर भारत का अंग है। उसे कोई अलग नहीं कर सकता। छह अगस्त 2019 में सर्जिकल स्ट्राइक की थी तो भारत की सेना से पाकिस्तान के घर में घुसकर बदला लिया था। विडंबना है कि इतना कुछ होने के बाद विपक्ष इसके प्रमाण मांग रहा है, जो शर्म की बात है। सरकार की और से संचालित विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि देश के 80 करोड़ जनता फ्री में राशन मिल रहा है। सरकार की और से गरीबों के लिए उज्जवला गैस योजना, हर घर नल - हर घर जल, शौचालय, आवास आदि उपलब्धियों के कसीदे गढ़े। लोगों को उनके हाथ खड़े कर संकल्प दिलाया कि वह देश की तरक्की के लिए 19 अप्रैल को होने वाले मतदान में भाजपा के प्रत्याशी ओमकुमार को रिकार्ड मतों से जिताकर पीएम मोदी के हाथों को पहले से और मजबूत करेंगे। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने की। संचालन भाजपा जिला भूपेंद्र सिंह चौहान बॉबी ने किया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंशी, प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल, नगीना लोकसभा प्रत्याशी ओम कुमार विधायक, विधायक अशोक राणा, डॉ हरिओम शर्मा, विधायक बिजनौर सूची चौधरी, पूर्व विधायक कमलेश सैनी, एमएलसी गोपाल अंजान, राज्य मंत्री सुनील भराला, महेंद्र धनोरिया, राजीव अग्रवाल, लीना सिंघल, निवर्तमान पालिकाध्यक्ष राजू गुप्ता, तपराज सिंह, प्रियंकर राणा, उदित नारायण, रोहित कुमार सोनू, पूर्व सांसद डॉक्टर यशवंत सिंह, शीशराम रवि, सुबोध पाराशर, सतीश गौतम, ब्लॉक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान आदि रहे। हेलीपैड पर स्वागत करने वालों में जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान, विधायक अशोक राणा, हरिओम शर्मा, प्रत्याशी ओमकुमार, विकास अग्रवाल, धीर सिंह, दीप माला संतोषी, फूल सिंह चौधरी, अनीता चौहान, उमेश चौहान, अवनी सिंह, अंकित कुमार, तृप्ति राजपूत, हेमलता चौहान, उज्जवल कुमार चौहान, राकेश कुमार, दिनेश सैनी, प्रमोद राठी, सुभाष चौहान, एनडी गहलौत, संगीत अग्रवाल आदि रहे।

भारतीय सियासत में ...

राज्यसभा में 14 फीसदी महिला सदस्य हैं। भारतीय संसद में महिला सदस्यों की संख्या 20 फीसदी से भी कम है मगर पिछले कुछ चुनावों में उनकी भागीदारी बढ़ गई है। साल 2004 के आम चुनावों में महिला उम्मीदवारों की तादाद 7 फीसदी से भी कम थी और चुने गए सांसदों के बीच उनका प्रतिनिधित्व 8 फीसदी ही था। मगर 2014 तक चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के बीच महिलाओं की भागीदारी महज 8 फीसदी होने के बावजूद सदन में उनका प्रतिनिधित्व बढ़कर 11 फीसदी हो गया। इसकी तुलना में दक्षिण अफ्रीका के निचले सदन में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 45 फीसदी है, चीन की संसद में 27 फीसदी और ब्राजील में 18 फीसदी महिला सदस्य हैं। अमरीका और ब्रिटेन जैसे प्रमुख देशों में तकरीबन एक तिहाई हिस्सेदारी महिलाओं की है। भारतीय राजनीति में महिलाओं को आरक्षण देना कोई नई बात नहीं है। आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, तमिलनाडु और उत्तराखंड जैसे 20 राज्यों में पहले ही स्थानीय पंचायतों में महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण का प्रावधान है। स्थानीय पंचायतों में कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 46 फीसदी है। उत्तराखंड की पंचायतों में लगभग 56 फीसदी निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। यह देश में सबसे अधिक अनुपात है। इसके बाद छत्तीसगढ़ और असम (लगभग 55 फीसदी), महाराष्ट्र (53.5 फीसदी) और तमिलनाडु (53 फीसदी) का स्थान है। किंतु लगभग 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय औसत से कम है। महिला राजनेताओं की संपत्ति में भी अच्छा खासा इजाफा हुआ है। एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय राजनीति में महिला सांसदों की औसत संपत्ति में इजाफा हुआ है। महिला सांसदों की औसत संपत्ति साल 2004 में 79 लाख रुपए ही थी, जो 2019 में बढ़कर 4.3 करोड़ रुपए हो गई।

गुजरात के कच्छ...

होने का अनुमान है और यह एक पहाड़ी टीले पर स्थित थी। इस पहाड़ी टीले के पीछे नदी बहती थी। पहाड़ी टीले की खुदाई में हड़प्पाकालीन घड़े, छोटे-बड़े बर्तन भी मिले हैं। खुदाई में कई कीमती पत्थरों के अवशेष भी मिले हैं। माना जा रहा है कि इन पत्थरों से आभूषण तैयार किए जाते थे और इस बस्ती में आभूषणों का व्यापार होता था। पुरात्व वैज्ञानिकों की एक टीम को खुदाई के दौरान गाय और बकरियों के अवशेष भी मिले हैं, जिसके आधार पर माना जा रहा है कि यहां रहने वाले लोग पशुपालन करते थे। वहीं कब्रिस्तान वाली जगह से इंसानों के कंकाल भी मिले हैं। कच्छ में केरल यूनिवर्सिटी की एक टीम भी खुदाई कर रही है। केरल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और इस प्रोजेक्ट के सह-निदेशक राजेश एसवी के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि आसपास अन्य इंसानी बस्तियों के अवशेष भी मिल सकते हैं। उनका कहना है कि यहां कई बस्तियां हो सकती हैं। प्रोजेक्ट के निदेशक और केरल यूनिवर्सिटी के पुरातत्व विभाग के प्रमुख प्रोफेसर अभयान जीएस ने बताया कि हो सकता है कि जनसंख्या ज्यादा होने की वजह से लोग अलग-अलग बस्तियों में फैल गए। उन्होंने आशंका जताई है कि पहाड़ी टीले पर होने की वजह से हो सकता है कि कई ढांचे समय के साथ तबाह हो गए होंगे। कच्छ में हो रही खुदाई में केरल यूनिवर्सिटी, कच्छ यूनिवर्सिटी, पुणे की डेक्कन यूनिवर्सिटी, कर्नाटक की सेंट्रल यूनिवर्सिटी के अलावा स्पेन के तीन संस्थान-कैटालान इंस्टीट्यूट ऑफ क्लासिकल आर्कियोलॉजी, स्पैनिश नेशनल रिसर्च काउंसिल, यूनिवर्सिटी ऑफ ला लुगना और अमेरिका के एलबियोन कॉलेज और टेक्सास की ए एंड एम यूनिवर्सिटी की टीमें खोज कर रही हैं।

आतंकी पन्नू ने...

उनके खिलाफ प्रदर्शन करें। करीब 3 मिनट लंबे इस वीडियो में एक टीवी चैनल को दिए गए राजनाथ सिंह के हालिया साक्षात्कार के क्लिप दिखाई गई, जिसमें रक्षा मंत्री कहते हैं कि सरकार भारत की शांति को भंग करने की कोशिश करने वाले किसी भी आतंकवादी को करारा जवाब देगी। वीडियो में एक रैली में पीएम की एक क्लिप भी दिखाई गई है जिसमें कहा गया है कि आज का भारत घर में घुस कर मारता है। 4 अप्रैल को जमुई में अपनी सार्वजनिक रैली के दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला था और दावा किया था कि यूपीए शासन के दौरान भारत को एक कमजोर देश माना जाता था। लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी ने कहा कि छोटे देशों के आतंकवादी भारत में हमले करते थे और कांग्रेस इसकी शिकायत दूसरे देशों से करती थी, लेकिन आज भारत दुश्मन के घर में घुसकर हमला कर सकता है। पीएम ने आगे कहा कि आपको याद है 10 साल पहले दुनिया में भारत के बारे में क्या राय थी? कांग्रेस के शासनकाल में भारत को एक कमजोर और गरीब देश माना जाता था। छोटे-छोटे देशों से आतंकवादी भारत में हमले करते थे और कांग्रेस दूसरे देशों से इसकी शिकायत करती थी, लेकिन आज भारत दुश्मन के घर में घुसकर हमला कर सकता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में पन्नू ने कहा कि खालिस्तान समर्थक सिखों ने लगातार कनाडा के प्रति वफादारी दिखाई है। इसके बाद उसने भारत-कनाडाई हिंदुओं को धमकाया और उनसे देश छोड़ने को कहा।

युवक का शव बरामद

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के डिगबोई के बगपानी इलाके में शव बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि स्थानीय लोगों द्वारा सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने डिगबोई के बगपानी इलाके से युवक का शव बरामद किया। मृतक की पहचान ध्रुव ज्योति गुप्ता (22) के रूप में की गई है। हालांकि, युवक की मौत कैसे हुई इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। युवक की आंख पर जख्म के गहरे निशान पाए गए हैं। पुलिस ने आशंका व्यक्त की है कि युवक की हत्या की गई होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मणिपुर पुलिस ने 247 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 247 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 257 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है।

हमारे लिए मुख्य मुद्दा जनता का हित है : मुख्यमंत्री

चराईदेव (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि विधायक अखिल गोगोई के लिए मुख्य मुद्दा चाहे जो भी हो, लेकिन मुख्यमंत्री के लिए मुख्य मुद्दा असम की जनता का हित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को अरुणोदय योजना के तहत प्रत्येक माह कैसे रुपए मिले और 50 हजार बेरोजगारों को कैसे सरकारी नौकरियां दी जाएं, छात्राओं को किस तरह नि:शुल्क शिक्षा दी जाए, किस तरह बसुंधरा योजना के तहत लोगों को भूमि के अधिकार दिए जाएं- यही सब मुख्य मुद्दा रहा है। मुख्यमंत्री आज चराईदेव जिले में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। विधायक अखिल गोगोई से जुड़े एक सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिल गोगोई का कोई ठिकाना नहीं है। अखिल गोगोई यदि सफेद कहें तो इसका मतलब काला समझिए। क्योंकि, कब क्या कह देंगे और क्या कर देंगे उसका कोई ठिकाना नहीं है। उन्होंने कहा कि अखिल गोगोई अपने विधानसभा क्षेत्र में भी चुनाव प्रचार नहीं कर रहे हैं और दूसरे स्थानों की बात तो दूर की बात है। अखिल गोगोई अधिक समय सर्किट हाउस में बिताते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिल गोगोई की बात वे नहीं कहना चाहते हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के अन्य के सवालों के भी सीधे-सीधे उत्तर दिए।

कचुवा में नृशंस हत्या

नगांव (हिंस)। नगांव जिला के कचुवा के फकली नंबर 2 गांव में सोमवार को एक नृशंस हत्या की घटना हुई। छोटे बच्चों के कटहल के पेड़ के डंठल तोड़ने को लेकर हुई लड़ाई के चलते हत्या हुई। शिकायत के अनुसार, लड़ाई के बीच में, अस्मत अली द्वारा मिट्टी खोदने वाले रॉड से ऐनुद्दीन के सिर पर हमला कर दिया गया। घटना के बाद ऐनुद्दीन को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। ऐनुद्दीन के परिजनों ने उसी गांव के अस्मत अली, हसीन अली, हसमत अली और मंसूर अली के खिलाफ कचुवा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उधर, हत्यारे हत्या को अंजाम देने के बाद सभी फरार हो गए। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

भाजपा और यूपीपीएल से 110 नेता व कार्यकर्ता बीपीएफ में शामिल

कोकराझाड़ (विभास)। जिले के फकीराग्राम के ब्लॉक बीपीएफ कार्यालय में सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में 29 नंबर कोकराझाड़ विधानसभा के विधायक रबिराम नार्जारी उपस्थित थे। बीपीएफ के सीडब्लूसी के सदस्य सुरेंद्र कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित सभा में भाजपा और यूपीपीएल से करीब 110 नेता व कार्यकर्ता बीपीएफ में शामिल हुए। इस मौके पर बीपीएफ के केंद्रीय समिति के सांगठनिक सचिव डॉ. राजउल करीम, फकीराग्रान बीपीएफ ब्लॉक समिति के साधारण सचिव फुल्केस राय सहित कई बीपीएफ नेता-कर्मीगण उपस्थित थे। इस सभा में बीजीपी से 70 और यूपीपीएल से 40 बीपीएफ में शामिल हुए। बीपीएफ में सभी सदस्यों को सम्मानित किए गए। सभा को संबोधित करते हुए विधायक रबीराम नार्जारी ने कहा कि भाजपा और यूपीपीएल के कर्मियों का उनके संगठन से मोह भंग हो रहा है और धीरे-धीरे उनके कर्मी और नेतागण बीपीएफ के जुड़ रहे हैं। जो बीपीएफ के लिए अच्छा संकेत है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि लोकसभा क्षेत्र से बीपीएफ के उम्मीदवार खांफा बरगयारी के समर्थन में उपस्थित सभी लोगों से मतदान करने की अपील की। इसके अलावा 2025 में होनेवाले बीटीसी चुनाव में बीपीएफ पूर्ण बहुमत के साथ आएगा और हग्रामा महिलारी लोकल सरकार बनाएंगे।

ओरांग सड़क हादसे में मृतकों की संख्या हुई तीन

गुवाहाटी (हिंस)। उदालगुड़ी जिले के ओरांग में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 पर हुई सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। इस घटना में गंभीर रूप से घायल दो साल के बच्चे अनानिया ओरांग ने भी आखिरकार अंतिम सांसें ली। ज्ञात हो कि हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर ओरांग पुलिस स्टेशन के सामने हुआ। यह दुर्घटना उस समय हुई जब तेजपुर गरुबंधा से ओरांग चाय बागान की ओर आ रहे एक ग्रैंड आइटेन (एएस-12वाई-2263) ने ओरंग पुलिस स्टेशन के सामने रुके कंटेनर (डब्ल्यूबी-11डी-3705) को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि कार चपटा होकर कंटेनर के नीचे जा घुसी। घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों मृतकों को स्थानीय लोगों के साथ-साथ ओरांग पुलिस ने कुचली हुई कार से बाहर निकाला। उधर, गंभीर रूप से घायलों को ओरांग पुलिस ने सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया।

राज्यपाल से मिला श्री गणगौर तीज महोत्सव समिति का प्रतिनिधिमंडल

गुवाहाटी। श्री गणगौर तीज महोत्सव समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से राजभवन में मुलाकात की। समिति की तरफ से अध्यक्ष विशाल भातरा, सचिव मनमोहन सिकरिया, कार्यक्रम संयोजक विवेक सांगानेरिया, कोषाध्यक्ष संजय मोर, आदर्श शर्मा (बाबली), अजय अग्रवाल मौजूद थे। इस दौरान समिति की ओर से राज्यपाल महोदय को आगामी 11 अप्रैल को फैंसी बाजार के एमजी रोड स्थित काचूमारी घाट (लचित स्टैचू के पास) आयोजित होने वाले गणगौर विसर्जन मिले के भव्य आयोजन के संदर्भ में अवगत कराया गया। कार्यक्रम संयोजक विवेक सांगानेरिया ने राज्यपाल को बताया कि गणगौर विसर्जन मेला एक ऐसा आयोजन है, जहां एक मंच पर समाज की प्राय सभी संस्थाएं जुड़कर अपना सहयोग प्रदान करती है। मेले में युवती एवं नवविवाहित महिलाओं के लिए कई तरह की प्रतियोगिताओं काका भी आयोजन किया जाता है। राज्यपाल महोदय से मुलाकात के दौरान गत वर्ष आयोजित गणगौर मेले का एक छोटा वीडियो क्लिप भी उन्हें दिखाया गया, जिसे देखने के बाद राज्यपाल श्री कटारिया ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि यहां का मारवाड़ी समाज राजस्थान के हर तीज त्यौहार उत्सवों को बहुत ही उत्साह एवं उमंग के साथ बड़े ही सुंदर तरीके से आयोजित करता है। राजस्थान से इतने दूर पूर्वोत्तर के इस प्रांत में राजस्थान के हर पर्व, त्योहार को इतने भव्यता से मनाना बहुत ही सराहनीय योग्य है। उन्होंने इसके लिए सभी को साधुवाद दिया।

आग में घर जलकर राख

कामरूप (हिंस)। कामरूप ग्रामीण जिले के हाजो के बिहदिया इलाके में लगी भयावह आग के दौरान देखते ही देखते एक व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बिहदिया इलाके में आग लगने की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया। तब तक जाकिर हुसैन नामक व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

नगरबेड़ा : पति ने अपनी पत्नी समेत बेटी को भी धारदार हथियार से गला रेत कर मार डाला

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के नगरबेड़ा थाना क्षेत्र के सरूडोबा वरवेरी में आज एक पाशान पति ने अपनी पत्नी और बेटी की धारदार हथियार से गोदकर हत्या कर दी। पता चला है कि सरुडोबा वरवेरी गांव में भजन मालो नाम के मछली व्यापारी भजन मालो ने आज दोपहर करीब ढाई बजे अपनी पत्नी और एक छोटी बच्ची की बेरहमी से हत्या कर दी। हाथ में चाकू उसके साथ आत्मसमर्पण कर देता है।गौरतलब है कि पारिवारिक कलह के चलते भजन मालो ने मछली काटकर अपनी पत्नी ममता मालो (35) और छह साल की बेटी पिंकी मालो की हत्या कर दी। घटना के कुछ देर बाद नगरबेरा थाने से पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया और मामले की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि भजन मालो अक्सर शराब पीकर घर में अशांति पैदा करता था। घटना के बाद से हत्यारा भजन मालो की 13 साल की बेटी दीपिका लापता है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। हत्यारोपी पति फिलहाल भजन मालो नगरबेड़ा थाने के लॉकअप में बंद है।

रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह संपन्न

होजाई (निसं)। होजाई स्थित रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह का आयोजन आज किया गया। जिसमें असम के राज्यपाल व रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलपति गुलाबचंद कटारिया उपस्थित थे। वहीं जोरहाट सीएसआईआर नॉर्थ-ईस्ट इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के निर्देश डॉ. वीरेंद्र एम तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उक्त समारोह में राज्यपाल ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन विद्यार्थियों के लिए त्यौहार है। आज उनके परिश्रम सही मायने में सफल हुआ है। उन्होंने कहा छात्र-छात्राओं से अधिक खुशी उनके माता-पिता व गुरुजनों को होगी, छात्रों की सफलता के पीछे माता-पिता व गुरुओं की अहम भूमिका होती है। राज्यपाल ने आगे कहा यह विश्वविद्यालय सामान्य नहीं है, यह कवि गुरु रवींद्रनाथ टैगोर के नाम पर है और सभी विद्यार्थियों को हर समय यह याद रखना चाहिए कि उनकी वजह से विश्वविद्यालय का नाम कभी खराब ना हो। उन्होंने आगे कहा सिर्फ किताब पढ़ने से कोई महान नहीं बनता महान बनने के लिए लोगों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाना पड़ता है। अगर अपनी पढ़ाई का मन रखता है तो गरीबों की सेवा करना अति आवश्यक है।उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा शर्मा के नेतृत्व में असम तीव्र गति से प्रगति की ओर अग्रसर है और खास तौर पर शिक्षा के क्षेत्र में असम में काफी उन्नति हुई है। राज्यपाल ने यह भी कहा की पढ़ाई का अर्थ यह नहीं हुआ कि हम जीवन में नौकरी हासिल करें हमें अपने शिक्षा के बल पर आत्मनिर्भर होकर हमें दूसरों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करना चाहिए। वह सही शिक्षा कहलाएगी। वहीं मुख्यअतिथि डॉ. वीरेंद्र एम तिवारी ने विस्तार से रविंद्रनाथ टैगोर के शिक्षा दर्शन पर विस्तार से अपने विचार रखें। उन्होंने जोर देते हुए कहा है कि रविंद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय एक अग्रणी शिक्षा संस्थान की भूमिका निभाते हुए शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लेकर आएगा। वही विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रोफेसर अमलेंदु चक्रवर्ती ने ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए गर्व का दिन है। उन्होंने कहा कि रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एक उदाहरण है कि कैसे एक शिक्षा संस्थान के शिक्षकों व विद्यार्थियों के निरंतर कड़ी मेहनत के बल पर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने आगे कहा कि यह विश्वविद्यालय एक ऐसी जगह स्थित है जो की भारत की विभिन्नता में एकता की एक झलक है। गौरतलब है, असम सरकार ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए होजाई महाविद्यालय को विश्वविद्यालय में उन्नतिकरण करने के लिए 2017 में रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय अधिनियम लागू किया था। उल्लेखनीय है कि होजाई महाविद्यालय की स्थापना 11 जुलाई, 1964 को स्थानीय जागरूक लोगों के संरक्षण में हुआ था। वहीं रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय अधिनियम 16 अक्तूबर, 2017 को लागू हुआ था। दीक्षांत समारोह में कुल 1, 124 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। इनमें से 950 स्नातक और 174 स्नातकोत्तर हैं। दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए 569 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। इनमें से 118 कला में स्नातकोत्तर हैं और 56 विज्ञान में स्नातकोत्तर हैं। 472 छात्रों ने कला से, 272 ने विज्ञान से और 206 ने वाणिज्य से स्नातक किया है। असम के राज्यपाल व्यक्तिगत रूप से विश्वविद्यालय के दो सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर छात्रों को स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया। दो स्वर्ण पदक विजेता नसीमा यास्मीन हैं, जो प्राकृतिक विज्ञान अनुभाग में रसायन विज्ञान की छात्रा हैं नसीमा यास्मीन को राधिका रंजन चक्रवर्ती मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। बंगला विभाग से स्नातकोत्तर छात्र पूजा चंद को बसंत चक्रवर्ती मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। 2019 में अंग्रेजी विभाग से स्नातक उत्तीर्ण करने वाली दिव्यांग छात्र नेहा दास को भी डिग्री व प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान व विश्वविद्यालय के गीत के साथ हुआ। इसके बाद विश्वविद्यालय के पंजीयक तिलक चंद्र कलिता ने उद्देश्य की व्याख्या की। वही कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान व राज्य गीत (ओ मोर अपुनर देश) के साथ हुआ।

बंगाईगांव : दो दिवसीय प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का आयोजन सोल्लास संपन्न

बंगाईगांव। प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वाधान में प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का दो दिवसीय आयोजन रविवार एवं सोमवार को तेरापंथ महिला मंडल में किया गया। युग प्रधान महा तपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण के सुशिष्य मुनि श्री प्रशांत कुमार तथा मुनि कुमुद कुमार के पावन सानिध्य में एवं श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, बंगाईगांव दक्षिण के आयोजकत्व में यह कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस कार्यशाला में नागपुर से पधारे आनंद मल सेठिया एवं बरपेटा रोड से पधारे अनिलजी बेंगानी ने प्रशिक्षक के रूप में बहुत ही सुंदर एवं उपयोगी तरीके से इस कार्यशाला का संचालन किया। हम किस तरह आनंद एवं शांति से परिपूर्ण जीवन सकते हैं, ऊर्जावान बने रह सकते हैं, साधना की शुरुआत कैसे कर सकते हैं, अपने क्रोध को कैसे नियंत्रित कर सकते हैं, प्रेक्षा ध्यान के विभिन्न आसनों से हम कैसे निरोग रह सकते हैं आदि विषयों पर प्रेक्षा ध्यान के माध्यम से प्रकाश डाला गया तथा व्यवहारिक रूप से इसका प्रयोग भी कराया गया। ज्ञान के तीनों नियमों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस कार्यशाला में अच्छी संख्या में श्रावक एवं श्राविकाओं ने हिस्सा लेकर इसका लाभ लिया। कार्यशाला के अंतिम चरण में मुनि श्री प्रशांत कुमार ने अपनी उपस्थिति से श्रावक, श्राविकाओं का मार्गदर्शन किया। कार्यशाला को सफल करने के लिए श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, बंगाईगांव दक्षिण के अध्यक्ष अमृतलाल दुग्गड़ एवं सचिव उमेद बांठिया तथा तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती चंदा देवी भंसाली एवं सचिव श्रीमती प्रमिला देवी सेठिया ने सभी श्रावक श्राविकाओं को हार्दिक साधुवाद दिया। साथ ही इस कार्यशाला को सफल बनाने में महासभा के आंचलिक प्रभारी श्रीमान सुशील भंसाली का विशेष योगदान रहा। ज्ञात होगी इस कार्यशाला में बनगाईगांव के सर्व समाज के श्रावक श्राविकाओं की पुर्ण भागीदारी रही।

रंगिया में एसटीएफ का नशा विरोधी अभियान में बड़ी मात्रा में याबा टैबलेट बरामद

रंगिया (विभास)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा सोमवार को रंगिया में एक नशा विरोधी अभियान चलाकर एक बड़ी सफलता को अंजाम दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्याण कुमार पाठक के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में 10, 000 हजार याबा टैबलेट जोकि घातक और अत्यधिक नशीला पदार्थ है, जब्त किया गया। इसका आनुमानिक मूल्य ढाई करोड़ रुपए बताया गया है। यह टैबलेट पश्चिम बंगाल की पंजीकृत मारुति ऑल्टो वाहन नं डब्ल्यू 86 डी 7907 के डैश बोर्ड से बरामद की गई। जो कि तस्करों द्वारा कोचबिहार ले जाने के लिए डैश बोर्ड में छुपाई गई थी। यह घातक नशीला पदार्थ मणिपुर से लाए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। अभियान के दौरान कोच बिहार के रशीदुल मियां और नयन मियां नामक दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और साथ ही दोनों व्यक्तियों द्वारा रंगिया निवासी इमरान हुसैन से यह टैबलेट खरीदने की दी गई। जानकारी के बाद इमरान हुसैन को गिरफ्त में लिया गया। बताया जा रहा है कि यह गिरफ्तारी क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मारवारी सम्मेलन, गुवाहाटी महिला शाखा की कार्यकारिणी सभा आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा की कार्यकारिणी सभा शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा की अध्यक्षता में सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के सभागार में आयोजित की गई। जिसमें स्वागत भाषण देते हुए शाखा अध्यक्ष ने सभी सदस्योंओ को त्यौंहारों की शुभकामनाएं दी। शाखा अध्यक्ष ने कहा कि होली के पश्चात आज यह पहली कार्यकारणी सभा है अत: आप सभी को होली मिलन की शुभकामनाएं देती हूं। आगामी दिन राजस्थानी लोक संस्कृति के कई त्यौहार हमारे सामने है। जिसमें सिंजारा, गणगौर विसर्जन, महावीर जयंती, हनुमान जयंती आदि। अत: हमारी शाखा को हमारे लोक त्यौहार को मनाने के लिए सक्रिय रहना चाहिए। शाखा जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा ने बताया कि इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष ने आगामी राजस्थानी लोक त्यौंहारों को देखते हुए सभी कार्यकारिणी सदस्याओं को उपहार प्रदान किया। इससे पहले शाखा कोषाध्यक्ष बिमला कोचर ने आय व्यय का ब्यौरा सबके सामने रखा। गणगौर उत्सव की शाखा संयोजिका निकिता सांखला और ज्योति शर्मा ने सभी सदस्योंओ को मनोरंजन स्वरूप उन्हें विभिन्न मनोरंजन उपाधियां दी एवं कई खेल खिलाएं। इस अवसर पर शाखा सलाहकार सरला काबरा, सरोज मित्तल, शारदा केड़िया के अलावा सह मंत्री शोभना लड्ढा, संगीता बड़जात्या, बबीता सरावगी एवं अन्य कई सदस्याए उपस्थित थी।

मयुमं, नगांव समृद्धि शाखा की नई कार्यकारिणी का शपथ विधि समारोह संपन्न

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच, नगांव समृद्धि शाखा की नई कार्यकारिणी का शपथ विधि समारोह रविवार को सीबो रेस्टुरेंट में हुआ। कार्यक्रम का संचालन सचिव निमिषा अग्रवाल ने किया। शपथ विधि समारोह की अध्यक्षता शाखा अध्यक्षा हीरा गाड़ोदिया ने किया। सभा में मुख्य अतिथि के रूप में मायुम के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जी जालान, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रांतीय महामंत्री सुभाष जी सुराणा, शाखा की संस्थापक अध्यक्षा रिंकू गिदड़ा को मंचाशीन करवाया। तत्पश्चात शाखा अध्यक्षा ने सभा को संबोधित करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। सचिन निमिषा अग्रवाल ने पूरे सत्र का प्रतिवेदन सभा के समक्ष रखा, जिसे सभी ने सहराया। अध्यक्षा हीरा गाड़ोदिया ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग हेतु सदस्यों के बीच वार्षिक अध्यक्षीय पुरस्कारों का वितरण किया। साथ ही शाखा के सम्मानित सलाहकार रतन जाजोदिया, प्रदीप सोभासारिया, सुरेंद्र जी बंका, संजय जी मित्तल जिनके पूरे वर्ष भरपूर सहयोग मिला उन्हें भी फूलाम गमछा पहनाकर सम्मानित किया और उनका धन्यवाद किया गया। साथ हीं पूरे वर्ष के दौरान जिनका भी सहयोग प्राप्त हुआ उन सभी को शाखा अध्यक्षा ने धन्यवाद दिया। सभा में उपस्थित हमारे प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य विवेक तोदी, राहुल चमड़िया, अरुण नागरका और समाजसेवी अजित माहेश्वरी का भी अभिनंदन किया गया। नवनिर्वाचित शाखा अध्यक्ष ममता सिंघी को प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने शपथ पाठ करवाया एवं हीरो गाड़ोदिया द्वारा उन्हें अध्यक्ष पद का पदभार सौंपा गया। नई अध्यक्षा ने सभा को संबोधित किया साथ ही अपनी कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषित की। उन्होंने अपनी नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष निमिषा अग्रवाल एवं रितिका मोर और पूजा केजरीवाल, सचिव सपना पेड़ीवाल, कोषाध्यक्ष मुस्कान जाजोदिया, संयुक्त सचिव श्वेता ढ़ाढ़रिया के साथ-साथ कार्यकारिणी समिति का गठन किया है। सभा को मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने संबोधित किया और साथ ही फाउंडर प्रेसिडेंट रिंकू गिदरा ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं काफी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन नई सचिव सपना पेड़िवाल द्वारा प्रस्तुत किया गया। अंत में सभी के द्वारा सामूहिक रूप में राष्ट्रगान गाया गया।

संपादकीय

‘न्याय-पत्र’ : कथनी-करनी का अंतर

लोकसभा चुनाव-2024 के लिए कांग्रेस ने चुनावी घोषण-पत्र ‘न्याय पत्र’ नाम से जारी कर दिया है। प्रथम दृष्टया कांग्रेस का यह चुनावी घोषणा-पत्र आकर्षित करता है लेकिन जब व्यवहारिक दृष्टि से इसका मूल्यांकन करते हैं, तो अनेक प्रकार के प्रश्न मुंह बाएं खड़े हो जाते हैं। कांग्रेस और उसके गठबंधन की सरकारों के बीते कार्यकाल का अनुभव भी घोषणा-पत्र की चुगली करता है। कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में पाँच ‘न्याय’ और 25 ‘गारंटी’ का दावा किया है। जिनके अनुसार कांग्रेस के पाँच न्याय- हिस्सेदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय पर आधारित है। प्रत्येक न्याय के भीतर बहुत से वादे कांग्रेस ने किए हैं। मजेदार बात यह है कि कांग्रेस के कई बड़े नेता ईवीएम के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से लेकर राजधानी तक ईवीएम के विरोध में धरने-प्रदर्शनों को आयोजन किया जा चुका है। मध्यप्रदेश में राजगढ़ से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तो मतपत्रों से चुनाव करवाने की माँग कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में ईवीएम से ही चुनाव कराए जाने का वादा किया है। कांग्रेस ने इतना अवश्य जोड़ा है कि वह ईवीएम के डेटा का मिलान वीवीपैट स्लिप से कराएगी, ताकि इस व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाया जा सके। अब देखना होगा कि कांग्रेस के ऐसे नेता क्या कहेंगे, जो निर्वाचन प्रक्रिया को बैलगाड़ी युग में ले जाने के लिए आंदोलन कर रहे थे। कांग्रेस का घोषणा-पत्र उसकी तुष्टीकरण की नीति को भी आगे बढ़ाता दिख रहा है। कांग्रेस ने वादा किया है कि वह पर्सनल लॉ में सुधार को बढ़ावा देगी। जहाँ एक ओर भाजपा है, जो समान नागरिक संहिता की बात कह रही है, वहीं कांग्रेस है जो पर्सनल लॉ को बनाए रखने पर जोर दे रही है। इसके बाद भी देश के कुछ बुद्धिजीवी भाजपा को सांप्रदायिक और कांग्रेस को सेकुलर पार्टी का तमगा देने का प्रयास करते हैं। विधानसभा चुनावों ने जनता ने कांग्रेस के जातिगत जनगणना के मुद्दे को सिरे से नकार दिया है लेकिन कांग्रेस अब भी अपनी जिद पर अड़ी दिख रही है। उसने घोषणा-पत्र में इसे शामिल किया है। कांग्रेस को छोड़कर जा रहे बड़े नेता उचित ही कह रहे हैं कि पार्टी पर कम्युनिस्टों का कब्जा हो गया है और वे पार्टी की नीति-रीति को प्रभावित कर रहे हैं। याद रखें कि पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी तक कभी भी कांग्रेस ने जातिगत जनगणना की माँग का समर्थन नहीं किया है। लेकिन राहुल गांधी की कांग्रेस में यह मुद्दा जोर-शोर से उठाया जा रहा है। मीडिया को लेकर भी बहुत से वादे कांग्रेस के घोषणा-पत्र में किए गए हैं, जो कांग्रेस की दोहरे आचरण की चुगली कर रहे हैं। घोषणा-पत्र में वादा किया गया है कि ‘कांग्रेस मीडिया की पूर्ण स्वतंत्रता सहित भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहाल करने का वादा करती है’। पहली बात तो यह कि वर्तमान समय में किसने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को छीना हुआ है? सब तो अपने मन की बात कह पा रहे हैं। भारत में मीडिया का दमन आपातकाल में ही किया गया था, जो कांग्रेस ने ही देश पर थोपा था। दूसरी बात यह है कि जिस पार्टी ने कुछ माह पूर्व ही देश के प्रमुख पत्रकारों को चिह्नित करके उनका बहिष्कार किया हो, उससे मीडिया की पूर्ण स्वतंत्रता की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? राज्य की बलपूर्वक कार्यवाही से बचाने की बात भी कही गई है लेकिन सबको ध्यान है कि कैसे कांग्रेस की राज्य सरकारों ने विभिन्न पत्रकारों के विरुद्ध मामले दर्ज कराए थे। बहरहाल, कांग्रेस के घोषणा-पत्र में ऐसे कई वादे हैं, जो उसकी नीतियों एवं सोच से मेल नहीं खाते हैं। कांग्रेस और उसके नेताओं को यह बात ध्यान में रखनी होगी कि देश के नागरिक उन्हीं बातों पर भरोसा करते हैं, जिनमें कथनी-करनी की एकरूपता दिखायी देती हो।

> कांग्रेस और उसके गठबंधन की सरकारों के बीते कार्यकाल का अनुभव भी घोषणा-पत्र की चुगली करता है। कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में पाँच ‘न्याय’ और 25 ‘गारंटी’ का दावा किया है। जिनके अनुसार कांग्रेस के पाँच न्याय- हिस्सेदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय पर आधारित है। प्रत्येक न्याय के भीतर बहुत से वादे कांग्रेस ने किए हैं। मजेदार बात यह है कि कांग्रेस के कई बड़े नेता ईवीएम के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से लेकर राजधानी तक ईवीएम के विरोध में धरने-प्रदर्शनों को आयोजन किया जा चुका है। मध्यप्रदेश में राजगढ़ से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तो मतपत्रों से चुनाव करवाने की माँग कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में ईवीएम से ही चुनाव कराए जाने का वादा किया है। कांग्रेस ने इतना अवश्य जोड़ा है कि वह ईवीएम के डेटा का मिलान वीवीपैट स्लिप से कराएगी, ताकि इस व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाया जा सके। अब देखना होगा कि कांग्रेस के ऐसे नेता क्या कहेंगे, जो निर्वाचन प्रक्रिया को बैलगाड़ी युग में ले जाने के लिए आंदोलन कर रहे थे।

सिद्धांत पर चलते हुए भाजपा ने आरंभ से ही राजनीति को सत्ता की बजाय सेवा का माध्यम माना है

भाजपा ने राजनीति को सेवा करने का सर्वोत्तम माध्यम बनाया

डॉ. आशीष वशिष्ठ

देश के राजनीतिक इतिहास में छह अप्रैल का दिन खास अहमियत रखता है। अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा भारतीय जनता पार्टी के पहले अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने आज ही के दिन, 1980 में यानी 44 साल पहले, पार्टी की स्थापना के समय ये शब्द कहे थे। शायद उन्होंने यह बात पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए कही होगी लेकिन उस समय पार्टी कार्यकर्ताओं या फिर विपक्षी दलों में शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आने वाले दिनों में अटल जी की बातें सही साबित होंगी। 1984 के लोकसभा चुनाव में केवल दो सीटें हासिल करने से लेकर 2019 के चुनाव में 303 सीटें जीतने वाली भाजपा ने अपने इस शानदार सफर में कई उतार-चढ़ाव भी देखे, बड़े झटके भी खाए और मायूसी भी महसूस की।धरातल पर बदलाव लाने के लिए राजनीति सबसे सशक्त माध्यम है। राजनीति के माध्यम से हम समाज के दबे-कुचले लोगों और उपेक्षित समुदायों को ऊपर उठाते हुए सामाजिक-आर्थिक विषमताओं को दूर करने का भरसक प्रयास कर सकते हैं। एक व्यापक बदलाव लाने का जो कार्य, बड़े से बड़े वेतन वाली प्रतिष्ठित नौकरी करके भी नहीं किया जा सकता है, उसे राजनीति के माध्यम से आसानी से किया जा सकता है। इसी सिद्धांत पर चलते हुए भाजपा ने आरंभ से ही राजनीति को सत्ता की बजाय सेवा का माध्यम माना है। आजादी के बाद के लंबे कालखंड तक भारतीय राजनीति में परिवार और व्यक्ति केंद्रित दलों ने राजनीति को कमाई का जरिया बनाया और सेवा भाव को नदी के जलधारा में प्रवाहित कर दिया। बीच-बीच में केंद्र की सत्ता पर आसीन गैरकांग्रेसी सरकारों ने लोक कल्याण के लिए कुछ करने की सोची तो उन्हें अस्थिर कर दिया गया। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में पूर्ण बहुमत की एनडीए सरकार का गठन हुआ, तब से तस्वीर में बदलाव आया है। पिछले दस वर्षों में आम आदमी को इस बात का आभास हुआ है कि राजनीतिज्ञ अगर सेवा करने के भाव से राजनीति करें तो कितना बड़ा और व्यापक बदलाव देश और आम आदमी की जिंदगी में लाया जा सकता है। भाजपा की रीति-नीति और संकल्पों की डगर पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह साबित कर दिया कि राजनीति सेवा का सबसे सशक्त माध्यम है। परिवारवादी दल जो अपने परिवारजनों के विकास और उत्थान में सारी ऊर्जा खपाते हैं, वह राजनीति को सेवा का नहीं, बल्कि मेवा का माध्यम मानते हैं। उनकी डिक्शनरी में परिवार पहले और देश बाद में आता है। तीन मार्च, 2024 को बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में जन विश्वास महारैली में इंडी अलांयस की रैली में बोलते हुए राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री मोदी के परिवारवाद वाली टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा था कि उनकी कोई संतान नहीं है। वो पत्नी के साथ नहीं रहते। कैसे जानेंगे कि परिवार क्या होता है? लालू प्रसाद की आपत्तिजनक टिप्पणी के अगले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तेलंगाना के आदिलाबाद में जनसभा को संबोधित कर रहे थे तो उन्होंने विपक्ष की ओर से उनके परिवार को लेकर किए गए हमले का परोक्ष रूप से जवाब दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ‘मैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं, तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं। जिनका कोई नहीं है, वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत ही मेरा परिवार है।’ जो दल एक परिवार या व्यक्ति द्वारा द्वारा संचालित हो रहे हैं, उनके लिए परिवार ही सर्वोपरि है। उनकी सारी ऊर्जा परिवार के विकास और कल्याण में ही खर्च होती है। उनके एजेंडे में आम आदमी का विकास और कल्याण अंतिम पायदान पर होता है। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की विचारधारा ने भारतीय राजनीति की इसी विचारधारा को पलटने का काम किया है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के अन्य नेता कहते हैं कि हमारे लिए नेशन फर्स्ट है। विपक्ष के लिए तो फैमिली फर्स्ट इसे सारा देश अब अनुभव करने लगा है।

श्रीमद्भागवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने भी अर्जुन को राजनीति और कूटनीति के माध्यम से राज्य, धर्म एवं समाज की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया है। धर्म के विपरीत आचरण करने वालों और सत्ता, सुख-संपदा, धन-वैभव एवं ऐश्वर्य के लिए जीने वालों को उन्होंने समस्त संसार के लिए विनाशकारी बताया है। इसलिए हमारी राजनीति के विमर्श में लोकमंगल की भावना होना बहुत आवश्यक है। राजनीति को सत्ता पाने का अवसर मानने वाली अनैतिकता ही अस्वस्थ राजनीतिक परंपरा को पोषित करती रहती है। यदि राजनीति की ऊर्जा को ऊर्ध्वगामी बनाया जाए और नैतिकता, मूल्यों एवं आदर्श का समावेश करते हुए सेवाभाव से कार्य किया जाए तो एक स्वस्थ, सक्षम एवं सजग समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। भाजपा के चाहे दो सांसद रहे हों या 303 भाजपा ने राजनीति को हमेशा सेवा का माध्यम माना। और ये बात उसके चरित्र और आचरण से झलकती भी है। राजनीति का चरित्र-चित्रण, उसके नेतृत्व में प्रतिबिंबित होता है। सही राजनीतिक नेतृत्व किसी भी संस्था या अभियान को जन-जन के बीच पहुंचा सकता है और उसे जनभागीदारी का प्रतीक बना सकता है। वैश्विक महामारी कोरोना के समय में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वर्तमान भारत सरकार ने जिस प्रकार से गरीबों एवं असहायों की सहायता के लिए राजनीतिक दूरदृष्टि के साथ शासन एवं प्रशासन का कार्य किया है, वह संस्थाओं के नेतृत्व का श्रेष्ठ उदाहरण है। कोरोना के समय विपक्ष ने नकारात्मक भूमिका निभाई। देश में बनी वैक्सीन से लेकर तमाम व्यवस्थाओं का उपहास उड़ाया। देश की जनता को भ्रमित करने का काम किया। इसमें कोई दोराय नहीं है कि विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाले भारत जैसे देश में कोरोना के संकट से निपटते हुए गरीबों, मजदूरों, किसानों, शोषितों और वंचितों के हितों की रक्षा करने से लेकर देश की आर्थिक गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने तक का कार्य, किसी चुनौती से कम नहीं था। लेकिन संकट के ऐसे समय में प्रधानमंत्री ने देश के सभी राजनीतिक दलों को एक साथ जोड़ने का समेकित प्रयास करते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाने और जन-कल्याण करने के लिए सरकार की भावी प्राथमिकताओं और योजनाओं को धरातल पर उतारा है।

> अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा भारतीय जनता पार्टी के पहले अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने आज ही के दिन, 1980 में यानी 44 साल पहले, पार्टी की स्थापना के समय ये शब्द कहे थे। शायद उन्होंने यह बात पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए कही होगी लेकिन उस समय पार्टी कार्यकर्ताओं या फिर विपक्षी दलों में शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आने वाले दिनों में अटल जी की बातें सही साबित होंगी।

दृष्टि कोण

म्यांमार और बांग्लादेश के लोगों की तरफ मिजो लोगों ने बढ़ाए मदद के हाथ

पिछले महीने मैंने कई उत्साहवर्धक दिन मिजोरम में बिताए। मुझे राज्य के राजनीतिक इतिहास के बारे में थोड़ी जानकारी थी। अपने जीवन में मैं कई मिजो लोगों से मिला भी, लेकिन इससे पहले कभी राज्य का दौरा नहीं किया था। सबसे पहले मैंने गुवाहाटी के लिए उड़ान भरी, जहां मैं अपने कुछ पुराने दोस्तों से मिला। ब्रह्मपुत्र नदी के दर्शन का आनंद लिया, विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों से गांधी के बारे में बातें भी कीं। हवाई जहाज की तुलना में ग्रामीण इलाकों को देखने के लिए यात्री ट्रेन एक बेहतर विकल्प है, लेकिन कार शायद अब भी बेहतर तरीका है। लेगपुई हवाई अड्डे से राज्य की राजधानी आइजॉल तक की यात्रा में डेढ़ घंटे का समय लगा, जो परिदृश्य को समझने के लिए पर्याप्त था। पहाड़ियों के आकार ने मुझे उप-हिमालयी जिलों की याद दिला दी, जो तब उत्तर प्रदेश में थे, अब उत्तराखंड में हैं, जहां मैं पैदा हुआ और पला-बढ़ा। संकरी व घुमावदार सड़कें और तेज बहती जलधाराएं वैसी ही थीं। वनस्पति कुछ अलग थीं, प्रचुर मात्रा में बांस और पर्णपाती पेड़, लेकिन उत्तराखंड के विपरीत कोई शंकुधारी प्रजाति नहीं थी। और मानव आबादी भी बहुत कम लग रही थी। आइजॉल शहर में हर पहाड़ी के हर स्तर पर घर एक-दूसरे से सटे थे, जो नैनीताल और मसूरी की याद दिला रहे थे। सड़कों पर घूमना, खरीदारी करना, कैफे में बातचीत करना, ये सभी राज्य में महिलाओं की उन्नति की गवाही देते हैं। भारत के सभी राज्यों में महिला साक्षरता दर मिजोरम में दूसरी सबसे अधिक है। करीब 60 फीसदी मिजो महिलाएं घर से बाहर काम करती हैं, यह अखिल भारतीय दर (30 फीसदी से कम) से दोगुने से भी ज्यादा है। और देश के किसी भी हिस्से की तुलना में मिजो महिलाओं के बेहतर वेतन पाने या ज्यादा जिम्मेदारी वाला काम करने की संभावनाएं अधिक हैं। जुलाई, 2022 में प्रकाशित पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, ‘मिजोरम में विधायकों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रबंधकों के रूप में काम करने वाले महिला-पुरुषों का अनुपात सबसे अधिक 70.9 फीसदी है, उसके बाद सिक्किम (48.2 फीसदी) और मणिपुर (45.1 फीसदी) का स्थान है।’ मिजो लोगों की सामाजिक प्रगति कई मायनों में हैरान करती है। यह उनके भौगोलिक अलगाव के विपरीत है और ऐसा तब है, जब कई वर्षों तक विद्रोहियों और राज्य के बीच हिंसक संघर्ष जारी रहा। जिस आइजॉल में मैं अब घूम रहा था और लोगों से बात कर रहा था, वह हलचल भरा और सबकी निगाह में बिल्कुल शांत शहर था, जिसे एक बार भारतीय वायु सेना द्वारा संचालित पहली भारतीय बस्ती होने का गौरव प्राप्त हुआ था। यह 1966 के वसंत में हुआ था, जब एक सशस्त्र समूह मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) ने भारतीय राज्य के खिलाफ विद्रोह शुरू किया था। एमएनएफ का नेतृत्व लालडेंगा कर रहे थे, जो कुछ वर्ष पहले मिजो हिल्स में पड़े अकाल से बुरी तरह प्रभावित थे, जब व्यापक भुखमरी के प्रति नई दिल्ली की सरकार ने अपर्याप्त प्रतिक्रिया जताई थी। यह सोचकर कि मिजो लोगों का भारत में कोई सम्मानजनक भविष्य नहीं है, लालडेंगा ने पूर्वी पाकिस्तान के सैन्य शासन से संपर्क किया, जिसने उन्हें हथियार और आर्थिक सहायता देने का वादा किया। फरवरी, 1966 में एमएनएफ ने सरकारी कार्यालयों पर आक्रमण किया और संचार प्रणाली को बाधित कर दिया। उन्होंने घोषणा की कि मिजो लोगों ने अपना एक ‘स्वतंत्र’ गणराज्य बना लिया है। फिर भारतीय राज्य ने सेना की बड़ी टुकड़ियां भेजीं और वायु सेना को भी भेजा गया। फिर भी विद्रोहियों ने जमकर संघर्ष किया और संघर्ष खत्म होने तथा समझौता होने में दो दशक लग गए। बाद में लालडेंगा भारतीय राज्य मिजोरम के मुख्यमंत्री बने। समझौता होने के बाद मिजो लोगों ने बहुत जल्दी और पूरी तरह से अपने जीवन का पुनर्निर्माण किया, यह उनकी बुद्धिमत्ता और उनके साहस का प्रमाण है। पीड़ा लोगों को प्रतिशोधी बना सकती है, खुद सहे कष्टों के कारण वे दूसरों से बदला लेने पर उतारू हो सकते हैं।

कुछ अलग

व्यवस्था सुधारने पर ध्यान जरूरी

भारतीय जेलों में क्षमता से अधिक बंदियों को रखे जाने के कारण उत्पन्न नारकीय स्थितियां न केवल संयुक्त राष्ट्र के नियमों का, बल्कि मानवाधिकारों का भी उल्लंघन है। यह वेदना किसी मानवाधिकार कार्यकर्ता की नहीं, बल्कि स्वयं गृह मंत्रालय के अंतर्गत निदेशक (एसआर) प्रवीन कुमारी सिंह द्वारा सभी राज्यों के प्रमुख सचिव गृह और कारागार तथा पुलिस प्रमुखों के लिए नौ मई, 2011 को जारी सर्कुलर में व्यक्त की गई है। जेलों की इस स्थिति पर संसद में भी निरंतर चिंता प्रकट की जाती रही है। जेलों में क्षमता से अधिक संख्या में एक साथ बंदियों को रखे जाने से एक-दूसरे में बीमारियों के फैलने की आशंका ज्यादा होती है। मानवाधिकारों के उल्लंघन, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और न्याय-आधारित विकल्पों की अनुपस्थिति के कारण जेलों में बंद लोगों के स्वास्थ्य की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जेलों का भौतिक बुनियादी ढांचा, भीड़-भाड़ का खतरा और कैदियों की लगातार आवाजाही से टीबी जैसी बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाले भारत की जेलें भी भरी रहती हैं। लॉन्सेट पब्लिक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन के अनुसार, भारत में कैदियों को सामान्य आबादी की तुलना में तपेदिक (टीबी) होने का खतरा पांच गुना अधिक है। जर्नल के जुलाई, 2023 संस्करण में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि भारत की जेलों में प्रति एक लाख कैदियों पर टीबी के 1,076 मामले थे। शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय स्तर पर तपेदिक की घटनाओं की दर और जेलों में भीड़-भाड़ के बीच एक सीधा संबंध पाया। विशेषज्ञों के अनुसार, जेलों में भीड़-भाड़ और वेंटिलेशन की कमी के चलते तपेदिक (टीबी) रोगियों की संख्या अधिक पाई जाती है। वर्ष 2017 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफेक्शियस डिजीज में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने भारत की जेलों में टीबी के इलाज और जांच की व्यवस्था का अध्ययन किया, तो पाया कि निदान या डाइग्नोसिस की केवल 18 प्रतिशत, इलाज की 54 प्रतिशत और समय-समय पर जांच की 60 प्रतिशत जेलों में ही व्यवस्था थी। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 'प्रिजन स्टैटिस्टिक्स इंडिया रिपोर्ट-2022' के अनुसार 31 दिसंबर, 2022 को भारत की जेलों में कुल 5,73,220 लोग बंदी थे, जबकि देश की कुल 1,330 जेलों में कुल क्षमता 4,36,266 कैदियों की ही थी। इस प्रकार देखा जाए, तो इन जेलों में क्षमता से 131.4 प्रतिशत अधिक बंदी रखे गए थे। ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, मणिपुर और नगालैंड जैसे कुछ राज्यों में क्षमता से कम बंदी थे, जबकि उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर जैसे कुछ राज्यों की जेलों में भेड़-बकरियों की तरह बंदी ठूंसे जाते हैं। उत्तराखंड जैसे शांत और छोटे राज्य की जेलों में 31 जनवरी, 2024 तक कुल 3,461 बंदियों की क्षमता के विपरीत 6,603 कैदी बंद थे। इन बंदियों में से लगभग 75 प्रतिशत विचाराधीन कैदी थे। उक्त जेल सांख्यिकी के अनुसार, जेलों में बंद सभी बंदियों में केवल 1,33,415 बंदी ही सजायाफ्ता थे और शेष 4,34,302 विचाराधीन कैदी थे। इन विचाराधीन कैदियों में से कई ऐसे भी हैं, जो अदालत द्वारा दोष सिद्ध होने से पहले ही पांच साल से अधिक समय से जेलों में सजा काट रहे हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा द्वारा 6 फरवरी, 2024 को लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, भारतीय जेलों में दो से तीन साल से 33,980 विचाराधीन कैदी, तीन से पांच साल से 25,869 विचाराधीन कैदी और पांच साल से अधिक समय से 11,448 विचाराधीन कैदी फैसले का इंतजार कर रहे थे।

देश दुनीया से

अधिक सयाने नेता ना घर के रहे ना घाट के

> राजनीति में जरा सा चूकने पर खेल ऐसा बिगड़ जाता है कि फिर सुधरे भी नहीं सुधर पाता है। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के दौरान कुछ राजनीतिक दलों व उनके नेताओं के साथ भी कुछ ऐसी घटनाएं घट गई जो ना उनसे निगलते बन रही है ना ही उगलते। बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता व केंद्र में मंत्री रहे पशुपति पारस अपने भतीजे चिराग पारस कि एनडीए से बगावत के वक्त खुलकर एनडीए के साथ रहकर अपना मंत्री पद बचा ले गए थे। उसे वक्त उनके साथ पार्टी के 6 में से पांच सांसद भी थे। मगर समय का चक्र देखिए आज पशुपति पारस के पास ना तो मंत्री पद बचा है ना ही लोकसभा की सीट बच पाई है।

कहते हैं राजनीति संभावनाओं का खेल है। इसमें कब क्या हो जाए किसी को पता नहीं रहता है। राजनीति में जरा सा चूकने पर खेल ऐसा बिगड़ जाता है कि फिर सुधरे भी नहीं सुधर पाता है। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के दौरान कुछ राजनीतिक दलों व उनके नेताओं के साथ भी कुछ ऐसी घटनाएं घट गई जो ना उनसे निगलते बन रही है ना ही उगलते। बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता व केंद्र में मंत्री रहे पशुपति पारस अपने भतीजे चिराग पारस कि एनडीए से बगावत के वक्त खुलकर एनडीए के साथ रहकर अपना मंत्री पद बचा ले गए थे। उसे वक्त उनके साथ पार्टी के 6 में से पांच सांसद भी थे। मगर समय का चक्र देखिए आज पशुपति पारस के पास ना तो मंत्री पद बचा है ना ही लोकसभा की सीट बच पाई है। चिराग पासवान के एनडीए में वापस आने के चलते सीट शेयरिंग में उन्हें पांच सीट दे दी गई। जबकि उनके विरोधी चाचा पशुपति पारस वाली लोक जनशक्ति पार्टी को एनडीए में एक भी सीट नहीं दी गयी। इससे नाराज होकर पशुपति पारस लालू यादव नीत महागठबंधन में शामिल होने की घोषणा कर केंद्रीय मंत्री पद से भी इस्तीफा दे दिया था। मगर राजनीति के चतुर खिलाड़ी लालू यादव ने पशुपतिनाथ पारस को घास नहीं डाला और उनकी पार्टी को गठबंधन में एक भी सीट नहीं दी। इससे पशुपति पारस की स्थिति बहुत ही हास्यास्पद हो गई। और वह फिर से एनडीए में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुणगान करने लगे हैं। पशुपति पारस के चक्कर में उनके दूसरे भतीजे प्रिंस राज भी इस बार बिना टिकट ही रह गए। उन्हें भी किसी गठबंधन में शामिल नहीं किया गया है। कहां जा रहा है कि भाजपा द्वारा पशुपति पारस को चिराग पासवान का समर्थन करने के बदले राज्यपाल का पद व प्रिंस राज को बिहार सरकार में मंत्री बनाने का ऑफर दिया गया था। मगर उन्होंने उस ऑफर को छोड़कर महागठबंधन से सीट लेने के चक्कर में केंद्रीय मंत्री पद से भी इस्तीफा देते हुये एनडीए के खिलाफ बयानबाजी कर दी थी। अब देखते हैं चुनाव के बाद आगे पशुपति पारस व उनके भतीजे प्रिंस राज का फिर से राजनीतिक पुनर्वास होता है या वह राजनीति के बियाबान में खो जाते हैं। इसका पता तो लोकसभा चुनाव नतीजे के बाद ही लग पाएगा। फिलहाल तो पशुपति पारस ना घर के रहे ना घाट के रहे वाली स्थिति में है। खुद को सन ऑफ मल्लाह कहलाने वाले विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी के साथ भी कुछ ऐसा ही वाकया हुआ है। कभी मुंबई की फिल्में इंडस्ट्री में काम कर पैसे कमाने वाले मुकेश सहनी की फितरत एक जगह टिकने की नहीं रही है। वह बिहार में बड़ी राजनीति करने का सपना देखते रहते हैं। इसी चक्कर में वह अलग-अलग गठबंधनों में शामिल होकर चुनाव लड़ते रहे हैं। मगर कभी चुनाव नहीं जीत पाए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने बिहार के एनडीए गठबंधन में शामिल होकर 13 सीटों पर अपनी पार्टी को चुनाव लड़वाया था और उनकी पार्टी के चार विधायक जीते थे। उनका स्वयं को भी नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री बनाया गया था। मगर अपनी फितरत के मुताबिक वह अधिक समय तक गठबंधन में नहीं टिक पाए। तब भाजपा ने उनके विधायकों को तोड़ लिया और वह अकेले रह गए। अब उनका विधान परिषद का कार्यकाल भी पूरा हो गया है। इस बार के लोकसभा चुनाव में उन्होंने फिर से भाजपा के एनडीए व लालू प्रसाद यादव के महागठबंधन में शामिल होकर लोकसभा चुनाव लड़ने का प्रयास किया था। मगर उनके मांग पत्र व सीटों की संख्या देखकर किसी भी गठबंधन ने उनसे तालमेल करना मुनासिब नहीं समझा। दोनों ही गठबंधन उन्हें बातों में उलझाए रखा और अंत में किसी ने भी उनके साथ तालमेल नहीं किया। आज मुकेश सहनी यदि लोकसभा चुनाव लड़ते हैं तो उन्हें अपने ही दम पर चुनाव मैदान में उतरना पड़ेगा। पूर्णिया के पूर्व सांसद पप्पू यादव किसी समय बिहार में चर्चित युवा नेता होते थे। कम उम्र में ही कई बार सांसद, विधायक बनने वाले पप्पू यादव की बाहुबली वाली छवि के चलते उन्हें चुनाव जीतने में कोई दिक्कत नहीं होती थी। एक समय उन्होंने शरद यादव जैसे दिग्गज नेता को भी हरा दिया था। मगर अब समय का फेर देखिए आज वही पप्पू यादव एक टिकट के लिए मारे मारे घूम रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू यादव से अपने संबंध सुधारने के लिए उनके आवास पर जाकर हाजिरी भी दे दी थी। फिर उन्होंने अपनी जन अधिकार पार्टी का दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में जाकर कांग्रेस में विलय कर दिया था। कांग्रेस में शामिल होने के बाद पप्पू यादव ने पूर्णिया से कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी।

आप का नजरीया

ताकि आपका मूड बदस्तूर बेमिसाल बना रहे

अगर आपसे यह पूछा जाए कि आप सुबह उठने से लेकर रात सोने तक जो कुछ भी करते हैं, उस सबके पीछे आपका मकसद क्या रहता है। आप सहज ही कहेंगे कि हम अपनी खुशी के लिए करते हैं। हम अगर खुद को तकलीफ भी देते हैं, तो वह खुशी के लिए ही होता है। कोई जिम में जाकर अगर भारी भरकम वजन उठाने की पीड़ा सहता है, तो वह भी अपनी खुशी के लिए ही करता है। कोई छात्र पूरी एकाग्रता के साथ घंटों तक पढ़ाई करने का कष्टसाध्य काम करता है, तो वह भी अपनी खुशी के लिए ही करता है। हम अगर नौकरी के लिए खून-पसीना एक करते हैं, तो यह भी खुशी के लिए ही करते हैं। पर क्या आप जानते हैं हम किन वजहों से खुश होते हैं? जब तब आपके दिमाग में और आपके गट में खुशी के होर्मोंस रिलीज नहीं होते, आप खुश नहीं हो सकते। इसलिए अगर आपका मकसद खुश होना है, तो आप इन चार होर्मोंस को ठीक से समझ लें कि ये क्या काम करने से रिलीज होते हैं और फिर सुनिश्चित करें कि आप वे सभी कार्य नियमित करते रहें। सबसे पहला होर्मोन है डोपामीन। इसे फील गुड और रिवॉर्ड होर्मोन भी कहते हैं। जब भी आप अपने लिए कोई लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो उसे हासिल करने पर इनाम के तौर पर आपको यही होर्मोन मिलता है। आप जब भी आनंद देने वाले काम करते हैं, जैसे पसंदीदा भोजलन करना या एक्सरसाइज करते हैं, शॉपिंग करने जाते हैं, संगीत सुनते हैं, तो इन कामों को करते हुए भी दिमाग डोपामीन रिलीज करता है और आपको खुशी जैसी महसूस होती है। आप जो बार-बार मोबाइल देखते हो और किसी पसंद के व्यक्ति का कमेंट पढ़ते हो, लाइक देखते हो, तो भी आपका माइंड डोपामीन रिलीज करता है और आपको अच्छा लगता है। बार-बार आपको अच्छा लगे इसलिए आप बार-बार मोबाइल देखते हो। दूसरा होर्मोन है सिरोटोनिन, जिसे मूड रेग्युलेट करने वाला होर्मोन भी कहते हैं। ये होमोन लेकिन दिमाग में नहीं हमारी गट यानी आंत में रिलीज होता है। यह हमारे मूड को सही करता है, हमें भविष्य को लेकर उम्मीदों से भरता है और हमारी नींद को भी बेहतर बनाता है। अगर शरीर में सिरोटोनिन कम हो जाए तो हम एंजाइटी और डिप्रेशन का शिकार हो जाते हैं। हेल्दी और संतुलित भोजन लेने, प्रकृति के बीच लंबे वॉक पर जाने, धूप लेने और ध्यान में बैठने से सिरोटोनिन रिलीज होता है। तीसरा खुशी का होर्मोन ऑक्सीटोसिन है जिसे प्रेम का होर्मोन भी कहते हैं क्योंकि यह हमें सुरक्षा और सामीप्य की फीलिंग देता है और भरोसे को बढ़ाता है। अगर आप अपने जीवन में खुशी के इस होर्मोन को चाहते हैं तो आपको जीवन में प्रेम को जगह देनी होगी, दोस्तों से अपनत्व को बढ़ाना होगा, करीबियों के गले लगना-लगाना होगा, अपने प्रियजनों का हाथ पकड़ना होगा। आप अपने पालतू जानवरों को जितना प्रेम करेंगे, उतना ऑक्सीटोसिन आपको मिलेगा। जीवन में लंबे समय के लिए खुशी चाहिए, तो आपके लिए यह काम ऑक्सीटोसिन ही करेगा। खुशी के लिए चौथा जरूरी होर्मोन एडोर्फिंस हैं। इसका काम आपके दर्द को कम करना होता है।

चर्चित बृजेश सिंह पर चल रहे मुकदमे में सही पैरवी की मांग अमिताभ ठाकुर ने की

वाराणसी (हिंस)। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के डीजीपी, एसीएस होम तथा मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने चर्चित बृजेश सिंह तथा त्रिभुवन सिंह के खिलाफ लखनऊ के एमपीएमएलए कोर्ट में चल रहे हत्या के मुकदमे में सही पैरवी करने का अनुरोध किया है। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि इन दोनों पर वर्ष 2001 में थाना महमूदाबाद, सीतापुर में दर्ज हत्या के मुकदमे की सुनवाई एमपीएमएलए कोर्ट लखनऊ में हो रही है। उन्हें प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मामले में सरकार की ओर से लचर पैरवी हो रही है और पुलिस गवाहों को धमका रही है। ऐसी शिकायतें आ रही हैं। अमिताभ ठाकुर ने डीजीपी से इस मुकदमे को व्यक्तिगत रूप से देखने और इसकी सही पैरवी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

नरेंद्र मोदी तीसरी बार बनेंगे भारत के प्रधानमंत्री : केशव प्रसाद मौर्य

सोशल मीडिया
लोकसभा वॉलंटियर्स सम्मेलन

बस्ती (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करेंगे। एक निजी विद्यालय में सोशल मीडिया वालेंटियर की बैठक को संबोधित करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। यह लोकसभा चुनाव बहुत ही महत्वपूर्ण है। विकसित भारत के संकल्प को नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर साकार करेंगे। भारत में विश्व के लोग नौकरी तलाश करने के लिए आयेंगे और भारत सौ वर्ष के लिए आगे निकल जायेगा। भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव में चार सौ सीट से अधिक जीतकर इतिहास रचने जा रही है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन में जब जंग हो रहा था तब किसी की हिम्मत नहीं थी कि भारतीय नागरिकों को आंख दिखा सके। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा जो वादा करती है उसे पूरा करती है। धारा 370 हटाकर जो काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है उस संकल्प को लेकर सभी कार्यकर्ता 2019 में मिले वोटों से अबकी बार 370 वोट अधिक दिलायेंगे तथा भगवान श्रीराम का मंदिर बन जाने के कारण 130 वोट हम दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) तथा कांग्रेस पार्टी को वोट देना कुएं में डालने के बराबर है। अगर कार्यसेवक संघर्ष न किए होते तो आज राम मंदिर का सपना साकार नहीं होता। मैं तो विध्वंस से लेकर प्राण–प्रतिष्ठा तक साक्षी रहा हूं और राम मंदिर की लड़ाई के लिए हमेशा लड़ता रहा हूं। इस मौके पर वर्तमान सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी, अध्यक्ष जिला पंचायत संजय चौधरी, विधायक अजय सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव : बिहार में आईएनडीआईए गठबंधन में उम्मीदवारों को लेकर संशय बरकरार

पटना (हिंस)। बिहार में लोकसभा चुनाव–2024 को लेकर सभी राजनीतिक दल जोर आजमाइश कर रहे हैं। भाजपा नीत राजग गठबंधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित तमाम बड़े नेता ताबड़तोड़ रैली–जनसभा कर रहे हैं। दूसरी ओर आईएनडीआईए गठबंधन में अभी तक सभी सीटों पर उम्मीदवारों का फैसला नहीं हो पाया है। समय से सीट का बंटवारा न होना और मन मुताबिक सीट नहीं मिलना महागठबंधन में किचकिच का कारण बना हुआ है। इसके साथ ही अब यह मामला पार्टी के इस रवैया से नाराज नेता के दल छोड़ने तक पहुंच चुका है। राजद ने एकतरफा निर्णय लेते हुए महत्वपूर्ण घटक कांग्रेस को कठिन मैदान में भेज दिया और अब अपने उम्मीदवारों के चयन में मनमानी किए जा रहा है। कांग्रेस को बिहार में नौ सीटें मिली हैं, इनमें पार्टी ने आधिकारिक रूप से अब तक सिर्फ तीन उम्मीदवारों की घोषणा की है। कटिहार से तारिक अनवर, किशनगंज से मोहम्मद जावेद और भागलपुर से अजीत शर्मा। बाकी छह सीटों पर कौन चुनाव लड़ेगा यह अब तक साफ नहीं है। हालांकि मुजफ्फरपुर से भाजपा से कांग्रेस में आए अजय निषाद और समस्तीपुर से जदयू नेता महेश्वर हजारी के बेटे सन्नी की चर्चा है जो हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए हैं। मगर उनका टिकट भी अभी तक फाइनल नहीं हुआ है। राज्य में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी राजद में सीटों के बंटवारे का हाल तो और भी बुरा है। पार्टी ने आधिकारिक रूप से अपने खाते की 26 में से सिर्फ छह सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं। इनमें से जमुई, गया, औरंगाबाद, नवादा, पूर्णिया और बांका सीट के उम्मीदवार हैं, जिन्हें पहले और दूसरे चरण के चुनाव में भाग लेना है। इनके अलावा लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की दोनों बेटियां मीसा भारती और रोहिणी आचार्य, उजियारपुर से आलोक मेहता, दरभंगा से ललित यादव आदि के नाम तय माने जा रहे हैं, हालांकि आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। इनमें से कई लोग चुनाव प्रचार में भी उतर चुके हैं। इनके अलावा ज्यादातर सीटों पर कौन चुनाव लड़ेगा यह तय नहीं। दूसरी तरफ भाजपा की अगुवाई वाले राजग गठबंधन के सभी सीटों के उम्मीदवार काफी पहले घोषित हो चुके हैं और वे अपनी सीटों पर चुनाव अभियान चला रहे हैं। भाजपा और जदयू ने 24 मार्च को ही अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए थे। जीतनराम मांझी की *हम* और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के उम्मीदवार घोषित ही थे। कुछ ही दिन बाद चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) ने भी अपने पांचों उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। बीते पांच अप्रैल को राजद ने अपने कोटे की तीन सीटें मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी को देकर उन्हें इंडी गठबंधन का हिस्सा बना लिया। ये सीटें गोपालगंज, झंझारपुर और मोतिहारी थीं। इन सीटों पर कुछ राजद नेता अपना दावा मानकर चुनावी तैयारी कर रहे थे।

इंडी गठबंधन के आधे नेता जेल में आधे नेता बेल पर : जेपी नड्डा

बिजनौर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने प्रियंका मॉडर्न पब्लिक स्कूल, धामपुर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में इंडी गठबंधन पर हमला बोलते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि इंडी गठबंधन के आधे नेता जेल में और आधे नेता बेल पर हैं। सत्ता में रहते हुए इन लोगों ने आकाश पाताल व धरती कहीं नहीं छोड़ा, सब जगह घोटाला ही घोटाला किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल में हैं। लालू यादव ने चारा घोटाला किया। नौकरी के बदले जमीन घोटाला किया कि नहीं किया। केजरीवाल ने शराब घोटाला किया कि नहीं किया। राहुल गांधी बेल पर हैं कि नहीं। सोनिया गांधी और पी. चिदम्बरम बेल पर हैं कि नहीं। भाजपा अध्यक्ष ने फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार का नारा भी लगवाया। जेपी नड्डा ने कहा कि समूचा उत्तर प्रदेश एक समय माफियाराज और भ्रष्टाचार का गढ़ बना हुआ था, यहां का समाज असुरक्षित व भयभीत रहने को अभिशप्त था। भाजपा की सरकार ने प्रदेश में सुशासन की स्थापना कर जन–जन का उत्थान सुनिश्चित किया है। सर्वांगीण विकास के पथ पर अग्रसर देश और प्रतिष्ठा के नए सोपान गढ़ता उत्तर प्रदेश मोदी के साथ है और एनडीए को 400 सीटों से भव्य विजय का संकल्प ले चुका है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने भी जनसभा को संबोधित किया।

तीन लाख का इनामी हिस्ट्रीशीटर चून्नू ठाकुर नेपाल बार्डर से गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण (हिंस)। बिहार का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर और तीन लाख का इनामी राकेश कुमार उर्फ चून्नू ठाकुर को बिहार एसटीएफ, मुजफ्फरपुर पुलिस व बगहा पुलिस ने इंडो नेपाल बार्डर रक्सौल से गिरफ्तार किया है। चुन्नू ठाकुर पर 30 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह बिहार पुलिस के टॉप–10 अपराधियों की सूची में शामिल है। पुलिस ने चुन्नू के पास से और घर से कई हथियार बरामद किए है। जिसके बाद उसकी पत्नी को भी पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस संबंध में मुजफ्फरपुर एसएसपी राकेश कुमार से मिली जानकारी के अनुसार चुन्नू ठाकुर की गिरफ्तारी के बाद सिटी एएसपी भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में डीएसपी साइबर और कई थाने की पुलिस चुन्नू ठाकुर के गन्नीपुर स्थित आवास की करीब पांच घंटे तक तलाशी ली। जहां से एक स्वचालित पिस्तौल और चार कारतूस और कई ब्लैंक चेक, एटीएम और जमीन के दस्तावेज, बसो के चलान बरामद किए गये। जिसके बाद उनकी पत्नी वंदना किरण ठाकुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि चुन्नू ठाकुर पर हत्या, आर्म्स एक्ट और लूट के कुल 32 मामले दर्ज हैं। इसके साथ ही हरियाणा व दिल्ली से अवैध शराब के कारोबार में भी इनकी गहरी संलिप्तता पाई गई है। चून्नू की तलाश पुलिस कई वर्षों से कर रही थी। इसको लेकर पुलिस की विशेष टीम मोबाइल सर्विलांस के माध्यम से इनपर नजर रखी हुइ थी। इसी दौरान चुन्नू ठाकुर के नेपाल में होने की सूचना पर बिहार एसटीएफ की टीम ने बगहा और मुजफ्फरपुर पुलिस के सहयोग से चुन्नू ठाकुर को इंडो नेपाल बार्डर रक्सौल से पकड़ा है। जिसने पूछताछ के दौरान चुन्नू कई कांडों में अपनी संलिप्तता स्वीकारी है। एसएसपी ने बताया कि शराब की तस्करी में लगातार चुन्नू ठाकुर का नाम आ रहा था। 2021 में चुन्नू पर अहियापुर थाने में मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम का मामला दर्ज है। इसके साथ ही 2019 में मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र में आर्म्स एक्ट व हत्या 2019 में पूर्वी चंपारण के बंजरिया थाने में आर्म्स एक्ट, उत्तर प्रदेश के फरह थाना क्षेत्र में हत्या, बिहार विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में 1991 और 1992 में लूट का मुकदमा, 1987 में काजी मोहम्मदपुर थान क्षेत्र में आर्म्स एक्ट, 1990 में काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र में मारपीट और हमला के साथ ही मुजफ्फरपुर के सदर थाना, महिला थाना, मिठनपुरा थाना, नगर थाना, अहियापुर थाना, सरैया थाना में लूट, हत्या व आर्म्स एक्ट सहित कई संगीन अपराध के अलग–अलग मामलों दर्ज है। एएसपी ने बताया कि वर्ष 2015 में वैशाली सदर थाना में इनकी गिरफ्तारी हुई थी। जिसमे जमानत मिलने के बाद लगातार फरार रहकर विभिन्न घटनाओ को अंजाम दे रहे थे।

गिरिडीह में हार्डकोर नक्सली धनी मांझी गिरफ्तार

गिरिडीह (हिंस)। भाकपा माओवादियों के खिलाफ गिरिडीह पुलिस की दबिश लगातार जारी है। इसी क्रम में सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर निमियाघाट थाना पुलिस ने माओवादी धनी मांझी उर्फ धनिया मांझी (49) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार धनी मांझी निमियाघाट थाना क्षेत्र के चपरखो गांव का रहने वाला है। वह पिछले कई सालों से फरार चल रहा था। निमियाघाट थाना में इसके खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज है। केस दर्ज होने के बाद धनी मांझी फरार हो गया था। इसी दौरान एसडीपीओ सुमित प्रसाद को गुप्त सूचना मिली तो एसडीपीओ के नेत्तृव में निमियाघाट थाना पुलिस ने रणनीति बनाकर इसे दबोचा। हालांकि धनी मांझी के पास से कोई हथियार तो बरामद नहीं हुआ। लेकिन धनी मांझी एक सक्रिय माओवादी था और पीरटांड के साथ डुमरी के कई हार्डकोर शीर्ष माओवादियों के दस्त से जुड़ा हुआ था।

मोदी की कोई गारंटी नहीं, अब तक जो कहा जुमला ही निकला : डोटासरा

ROZGAR DO
भारत जोड़ो न्याय यात्रा
रोज़गार दो

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि आज की तारीख में मोदी की गारंटी झूठ है, जुमला है। 2013 में मोदी ने ईआरसीपी का वादा किया था, लेकिन उस पर कोई काम नहीं किया। अब लोकसभा चुनाव आए तो ईआरसीपी पर समझौते की बात कर रहे हैं, लेकिन वह एमओयू कहां है, किसी को नहीं पता। प्रधानमंत्री ने विधानसभा चुनावों के वक्त कहा था कि राजस्थान में पेट्रोल–डीजल पर 12 रुपए ज्यादा लिए जा रहे हैं। मोदी ने वादा किया था कि दिसंबर में सरकार आते ही हरियाणा के समान कर देंगे। राजस्थान सरकार ने 1.5 से लेकर चार रुपए कम किया, आज भी हरियाणा और राजस्थान के बीच पेट्रोल में 10 रुपए का अंतर है। डोटासरा सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। डोटासरा ने कहा कि मोदी ने दो करोड़ नौकरी का वादा करके आज तक पूरा नहीं किया। 15 लाख खाते में डालने का जुमला ही है। भ्रष्टाचार मुक्त शासन की गारंटी आज भी देते हैं, वो मुंह चढ़ी बात है। अपनी पार्टी के नेता के अलावा मोदी सबको भ्रष्ट बताते हैं और छुट्टे मुंह गाली देते हैं। डोटासरा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने करप्शन पर प्रहार किया है। इलेक्टोरल बॉन्ड का पैसा गैरकानूनी है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे गैरकानूनी बताया है। ऐसी ऐसी कंपनियों के किस्से सामने आ रहे हैं, प्रॉफिट एक रुपया और चंदा दिया 93 रुपए। टैक्स एक रुपया नहीं दिया, चंदा दिया 600 करोड़। ईडी, इनकम टैक्स का छापा पड़ा और चंदा दे दिया। कोरोना आपदा के समय जिसे चार से पांच हजार करोड़ का काम मिला, उसमें वैक्सीन बनाने की कंपनी शामिल है। देश आपदा से जूझ रहा था, उसमें भी वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से चंदा लिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेलिकॉप्टर में घूम रहे हैं और कह रहे हैं कि हमने ईआरसीपी पर समझौता किया है। मुख्यमंत्री और गजेंद्र सिंह शेखावत घूम–घूमकर जिंदाबाद के नारे लगवा रहे हैं। गजेंद्र सिंह और मुख्यमंत्री खुद के पैसे से होर्डिंग लगवाकर लोगों से जिंदाबाद के नारे लगवा रहे हैं। जनता इन पर हंस रही है। जनता के सामने एमओयू नहीं है। इलेक्टोरल बॉन्ड से इनके पास पैसा खूब है, इसलिए खुद के होर्डिंग लगवाकर जय–जयकार करवा रहे हैं, लेकिन जनता समझ चुकी है। डोटासरा ने कहा कि गजेंद्र सिंह शेखावत को ईआरसीपी पर बोलने का अधिकार नहीं है।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को नवरात्रि एवं नव संवत्सर की हार्दिक बधाई दी

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को प्रदेश व देशवासियों को नव संवत्सर व नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने अपने बधाई संदेश में कहा कि नव संवत्सर और नवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति, प्रकृति और शक्ति के आराधना का पर्व है। शक्ति की उपासना का यह पर्व हर किसी के जीवन में नई ऊर्जा, सुख, समृद्धि, और हर्षोल्लास का संचार करे तथा विक्रम संवत 2081 सबके जीवन में नया उत्साह और नई उमंग लेकर आए।

कांग्रेस के घोषणापत्र का लक्ष्य देश को मजबूत बनाना और धर्मनिरपेक्ष साख को बनाए रखना है : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर (हिंस)। नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र का लक्ष्य देश को मजबूत बनाना और इसकी धर्मनिरपेक्ष साख को बनाए रखना है। कांग्रेस के घोषणापत्र पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुस्लिम लीग छाप संबंधी टिप्पणी को लेकर अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा कि मुझे नहीं लगता कि घोषणापत्र देश को तोड़ने वाला है। मुझे लगता है कि घोषणापत्र देश को मजबूत बनाने और धर्मनिरपेक्ष बनाए रखने के लिए है। अब्दुल्ला ने कहा कि जो कोई भी अन्यथा सोचता है, वे पहले से ही देश को अपने तरीके से विभाजित कर रहे हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया था कि उसके चुनाव घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप है और उसके नेताओं के बयानों में राष्ट्रीय अखंडता और सनातन धर्म के प्रति शत्रुता दिखाई देती है। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस विपक्षी इंडिया ब्लॉक के सदस्य हैं जिसका गठन लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबला करने के लिए हुआ है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती के नेशनल कांफ्रेंस पर निशाना साधने के बाद अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि जम्मू–कश्मीर के लोग जानते हैं कि उनकी पार्टी का क्या रुख है। वह वही कह सकती हैं जो उसे कहना पसंद है। लोग जानते हैं कि हम किसके लिए खड़े हैं और इससे ज्यादा मुझे कुछ भी व्यक्त करने की जरूरत नहीं है।

हिंदू नववर्ष पर उत्साह से निकलेगी धर्मयात्रा

बीकस (हिंस)। हिंदू जागरण मंच के तत्वावधान में नौ अप्रैल, मंगलवार दोपहर बाद हिंदू नवसंवत्सर के खास मौके पर उत्साह के साथ धर्मयात्रा निकाली जाएगी। यह धर्म यात्रा एम.एम.ग्राऊण्ड से शुरु होकर नत्थूसर गेट, मोहता चौक, हृदयस्थल कोटगेट, महात्मा गांधी रोड़, शार्दूलसिंह सर्किल होती हुई जूनागढ़ पहुंचेगी और वहां महाआरती होगी। यह जानकारी सोमवार को रेलवे स्टेशन के सामने होटल वृंदावन रीजेंसी में हिंदू जागरण मंच के प्रांतीय कार्यकारिण सदस्य जोधपुर प्रांत शैलेश गुप्ता, महानगर संयोजक कैलाश भार्गव, प्रांतीय कार्यकारिणी आयाम सदस्य राजेंद्र किराडू, रूपेश आहूजा, सुनील कश्यप ने संयुक्त रुप से पत्रकारों को दी। इस अवसर पर मुकेश भादाणी सहित अनेक मौजूद थे। गुप्ता व भार्गव ने ने कहा कि हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में निकाली जाने वाली इस धर्मयात्रा का मुख्य उद्देश्य हिंदुओं को नववर्ष के प्रति लोगों को जागरूक करना है। शहर के मुख्य मार्गों पर नववर्ष के सवागत के लिए बैनर, पोस्टर, होर्डिंग व भगवा पताकाएं लगायी जा रही है। युवा केसरिया साफा पहनकर इस यात्रा में देशभक्ति गीत गाते हुए दुपहिया, चौपहिया वाहनों में भी शामिल होंगे।

मुझे संसद से दूर रखने के लिए भाजपा अपना रही हर तरीका : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (हिंस)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उन्हें संसद से दूर रखने की कोशिश करने का आरोप लगाया। पीडीपी नेता महबूबा दक्षिण कश्मीर के बिजबिहाड़ा में पत्रकारों से बात कर रहीं थीं। महबूबा ने कहा कि भाजपा मुझे संसद से दूर रखने के लिए अपनी पूरी ताकत और संसाधनों का इस्तेमाल कर रही है। वे अच्छी तरह जानते हैं कि अगर मैं संसद पहुंच जाऊंगी तो उनके लिए परेशानी खड़ी कर सकती हैं। इसके लिए भाजपा हर तरीका अपना रही है। इससे पहले महबूबा अपने पिता दिवंगत मुफ्ती मोहम्मद सईद की कब्र पर पहुंची और फातेहा पड़ी। उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर मेरी मातृभूमि है और बिजबिहाड़ा मेरा मूल क्षेत्र है। इसके अलावा मेरे पिता की कब्र यहीं है। जब भी मुझे लगता है कि मुश्किल वक्त है तो मैं यहां आती हूं और फातेहा पेश पढ़ती हूं। मैंने अपना राजनीतिक करियर वर्ष 1996 में शुरू किया था और मेरे पिता कंधे से कंधा मिलाकर मेरे साथ रहते थे लेकिन आज उनकी अनुपस्थिति में चुनौतियां कई गुना बढ़ गई हैं। मुफ्ती महबूबा ने कहा कि हमारी पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर हमला किया जा रहा है। लोग उनकी ओर आशा से देख रही हैं। मुझे उम्मीद है कि बड़ी संख्या में लोग चुनाव में पीडीपी को वोट देंगे।

भारत बाबर का नहीं, रघुवर का देश : धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

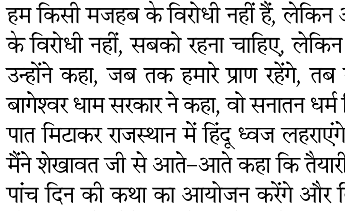

जोधपुर (हिंस)। बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा, भारत बाबर का नहीं, रघुवर का देश है। सनातन को आगे बढ़ाने के लिए सभी हिंदुओं को जगाना होगा। सोमवार को विश्व हिंदू परिषद, जोधपुर द्वारा आयोजित श्रीराम नवमी महोत्सव में बागेश्वर धाम सरकार ने यह बात कही। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा हर हिंदू माथे पर तिलक लगाए और घर के बाहर अपने धर्म का ध्वज लगाए। हम किसी मजहब के विरोधी नहीं हैं, लेकिन अपने धर्म के कट्टर भी हैं। हम किसी के विरोधी नहीं, सबको रहना चाहिए, लेकिन कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। उन्होंने कहा, जब तक हमारे प्राण रहेंगे, तब सनातनियों को एकजुट करते रहेंगे। बागेश्वर धाम सरकार ने कहा, वो सनातन धर्म विरोधियों की ठठरी भी मारेंगे। जात–पात मिटाकर राजस्थान में हिंदू ध्वज लहराएंगे। बागेश्वर धाम सरकार ने कहा कि मैंने शेखावत जी से आते–आते कहा कि तैयारी करो, आने वाले दिनों में जोधपुर में पांच दिन की कथा का आयोजन करेंगे और दिव्य दरबार भी लगाएंगे। भविष्य में जोधपुर आते रहेंगे। इससे पहले, बागेश्वर धाम सरकार केंद्रीय मंत्री शेखावत के निवास पर भी पहुंचे और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया।

नाम बदल कर मुस्लिम महिला ने की शादी, सौतेले बेटे का कराया खतना

मेरठ (हिंस)। ब्रह्मपुरी क्षेत्र की मास्टर कॉलोनी निवासी युवक ने अपनी पत्नी पर नाम छिपाकर शादी करने और मतांतरण का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है कि उसकी पत्नी ने अपनी बहन के साथ मिलकर सौतेले बेटे का खतना भी करा दिया। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र की मास्टर कॉलोनी निवासी विपिन ने सोमवार को पुलिस से शिकायत की। उसने बताया कि पत्नी कोमल वर्मा से उसका 2022 में तलाक हो गया था। तलाक के आदेश में कोर्ट ने उसके तीनों बच्चों की अभिरक्षा उसे दी थी। कोमल को बच्चों से मिलने–जुलने की अनुमति दी थी। इसके बाद विपिन ने नैना वर्मा नाम की युवती से शादी कर ली थी।

महिला कॉलेज में नामांकन में अधिक राशि लेने पर बवाल, प्रशासन को करना पड़ा हस्तक्षेप

08 April 2024

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के जीरा देवी शीतल साह महिला महाविद्यालय के स्नातक पार्ट वन में नामांकन के अंतिम दिन सोमवार को तीन सौ के स्थान पर अचानक पांच सौ रुपए लिए जाने को लेकर छात्राओं और विभिन्न छात्र संगठन के प्रतिनिधियों ने जमकर बवाल मचाया। विकास शुल्क के नाम पर दो सौ अतिरिक्त लिए जाने के विरोध में सोमवार को छात्राओं ने हंगामा मचाया और कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में एसडीएम शैलजा पांडे के निर्देश पर सीओ राखी कुमारी और बीईओ सूर्य प्रसाद यादव कॉलेज पहुंचकर हंगामा कर रहे छात्राओं को शांत कराया और कॉलेज प्रबंधन से बात कर पूर्व निर्धारित तीन सौ रुपए शुल्क लेकर नामांकन करने का आदेश दिया। मामले में महाविद्यालय की छात्रा सीमा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, स्वाती कुमारी, पूजा कुमारी, निशा कुमारी, सा खातून आदि ने बताया कि आज स्नातक में नामांकन का अंतिम दिन है। नामांकन के नाम पर शनिवार को जहां साढ़े तीन सौ रुपए की वसूली की जा रही थी और पचास रुपए अधिक लिए जा रहे थे। वहीं आज अचानक पांच सौ रुपए लेकर नामांकन किया जाने लगा। जबकि प्रोस्पेकेट्स फॉर्म की कीमत दो सौ रुपए है और एक सौ रुपए नामांकन में ली जाती है। वहीं बिहार सरकार के द्वारा एससी एसटी के साथ छात्राओं के लिए नामांकन और टीचिंग शुल्क नि:शुल्क है। आक्रोशित छात्राओं ने कहा कि कॉलेज प्रबंधन मनमानी कर रहा है। शनिवार तक जब तीन सौ लेकर नामांकन किया गया तो सोमवार अंतिम दिन पांच सौ क्यों लिया जा रहा है। इस मामले में कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य ओमप्रकाश कुमार ने बताया कि 07 अप्रैल रविवार को कॉलेज के शासी निकाय की बैठक हुई थी। जिसमे यह निर्णय लिया गया था कि बिल्डिंग, लाइब्रेरी और लेबोरेटरी आदि के लिए विकास शुल्क के नाम पर छात्राओं से दो सौ रुपए अतिरिक्त ली जाय और इसी आलोक में आज से नामांकन में पांच सौ रुपए लिया जा रहा है। हालांकि प्रभारी प्राचार्य ने छात्राओं के मांग को विरोध को देखते हुए जायज भी करार दिया। छात्राओं के हंगामे के बाद एसडीएम के निर्देश पर कॉलेज पहुंची फारबिसगंज सीओ राखी कुमारी और बीईओ सूर्य प्रसाद यादव ने छात्राओं के प्रतिनिधियों के साथ साथ कॉलेज प्रबंधन के साथ भी बातचीत की। सीओ राखी कुमारी ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन की ओर से बढ़ाए गए राशि का लिखित में किसी तरह का नियमावली नहीं दिखाया गया है। मामले में उन्होंने एसडीएम को जानकारी देने और मामले की जांच के लिए जांच कमिटी के गठन की बात कही। शादी निकाय की बैठक से संबंधित भी किसी तरह के कागजात कॉलेज प्रबंधन द्वारा नहीं दिखाने पर पूर्व के तय राशि तीन सौ रुपए के साथ ही नामांकन करने का आदेश दी। मौके पर मौजुद बीईओ सूर्य प्रसाद यादव ने पूरे मामले की जानकारी एसडीएम को देने की बात की। जिसके बाद जांचोपरांत दोषी कॉलेज प्रबंधन के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही।

ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट जज पर फूटा मस्क का गुस्सा, संविधान को धोखा देने का लगाया आरोप

वॉशिंगटन ।
दिग्गज कारोबारी एलन मस्क का ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के एक जज पर गुस्सा फूटा है और उन्होंने जज के इस्तीफे की मांग कर दी है। दरअसल ब्राजील सुप्रीम कोर्ट के जज एलेक्जांद्रे डे मोरेस ने ब्राजील में कई सोशल मीडिया अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है और कई यूजर्स को जेल में डालने का भी आरोप है। दावा किया जा रहा है कि ये सोशल मीडिया अकाउंट्स ब्राजील की सरकार के खिलाफ झूठी खबरें फैला रहे थे। जिन अकाउंट्स को ब्लॉक किया गया है, उनमें कई अकाउंट्स ब्राजील के सोशल मीडिया इंफ्लुएंशर्स के हैं।

ब्राजील के जज पर फूटा एलन मस्क का गुस्सा – सोशल मीडिया पर कथित सेंसरशिप लगाने को लेकर एलन मस्क ने जज मोरेस पर तीखा हमला बोला। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि यह जज मनमाने तरीके से ब्राजील के लोगों और संविधान के साथ धोखा कर रहा है। उसे इस्तीफा दे देना चाहिए या फिर उसके खिलाफ महाभियोग लाकर उसे पद से हटा देना चाहिए। मस्क ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि इस जज ने हम पर भारी जुर्माना लगाया है और हमारे कई कर्मचारियों को गिरफ्तार करने की धमकी दी है और ब्राजील में एक्स को बंद करने की धमकी दी है। इसके चलते हम ब्राजील में पूरा राजस्व खो सकते हैं और हो सकता है कि हमें ब्राजील में अपना ऑफिस बंद करना पड़े, लेकिन हमारे लिए लाभ से ज्यादा अहम सिद्धांत हैं।

जेर बोलसोनारो के विरोधी माने जाते हैं जज मोरेस – एलेक्जांद्रे डे मोरेस ब्राजील में एक चर्चित नाम हैं। कुछ लोग उन्हें विवादित मानते हैं तो कुछ उन्हें लोकतंत्र का रक्षक करार देते हैं। मोरेस, ब्राजील के सुपीरियर इलेक्टोरल ट्रिब्यूनल के प्रमुख भी हैं। मोरेस के आलोचकों का आरोप है कि वह ब्राजील में बोलने की आजादी को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल के वर्षों में मोरेस ने सोशल मीडिया पर कई प्रमुख अकाउंट्स को बंद करने का आदेश दिया है। आरोप है कि जिन अकाउंट्स को ब्लॉक किया गया है, उनमें से कई ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेर बोलसोनारो के समर्थक बताए जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

बीएसई के नाम दर्ज हुआ नया रिकॉर्ड, एम-कैप 400 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। शेयर बाजार ने अपने नाम एक नया रिकॉर्ड कर लिया है। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 400 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। 8 अप्रैल 2024 के शुरुआती कारोबार में ही बीएसई में तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। आज मिडकैप , स्मॉलकैप इंडेक्स भी तेजी देखने को मिली है। इन इंडेक्स के एमकैप में भी तेजी आई है। खबर लिखते वक्त बीएसई 397.46 अंक या 0.54 फीसदी की तेजी के साथ 74,645.68 अंक पर कारोबार कर रहा था। बीएसई के शेयर में से 1,979 बढ़त के साथ और 1,709 लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं। कब-कब बनाया बीएसई ने रिकॉर्ड मार्च 2014 में बीएसई की लिस्टिड कंपनियों का एम-कैप पहली बार 100 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा था। इसके बाद फरवरी 2021 में बीएसई का मार्केट कैपिटलाइजेशन 200 लाख करोड़ रुपये हो गया था। जुलाई 2023 में बीएसई की लिस्टिड कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 300 करोड़ रुपये हो गया।अब 9 महीने के बाद बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का एम-कैप 400 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। क्या है इस तेजी की वजह बीएसई में लिस्टिड कंपनियों के एम-कैप में 57 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली है। बाजार में इस ग्रोथ की वजह इंडिकेटर्स, मजबूत कॉरपोरेट अर्निंग्स, निवेशकों के पॉजिटिव सेंटीमेंट है। इसके अलावा घरेलू और विदेशी इनफ्लो की वजह से भी शेयर बाजार में तेजी आई है। पिछले एक साल में मिडकैप इंडेक्स में 60 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। वहीं, स्मॉलकैप इंडेक्स में 64 फीसदी की तेजी आई है। सेंसेक्स में भी 28.6 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। अगर सेक्टर में देखें तो सबसे ज्यादा तेजी रियल एस्टेट, बैंक, ऑटो, एनर्जी, इंफ्रा और फार्मा सेक्टर में आई है।

बैटरी सेल के मामले में टाटा की बराबरी कर लेगी मारुति सुजूकी, 2035 तक 20 प्रतिशत तक मांग पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली । ताजा अनुमान है कि साल 2035 तक मारुति सुजूकी इंडिया बैटरी सेल के मामले में टाटा की मांग बराबरी कर लेगी और इस साल बाद में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की शुरुआत से उसे बढ़ावा मिलेगा। हल्के वाहनों के लिए भारतीय ईवी बैटरी बाजार के संबंध में एसएेंडपी मोबिलिटी ने एक रिपोर्ट में कहा है कि हालांकि वर्तमान में ईवी बाजार में मारुति की हिस्सेदारी कम है लेकिन बैटरी सेल की इसकी मांग साल 2035 तक 20 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है, जो टाटा की 22 प्रतिशत हिस्सेदारी से कुछ ही कम होगी। उम्मीद है कि तीसरी प्रमुख कंपनी ह्युंडै ईवी क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति करेगी, विशेष रूप से हल्के वाहनों में, जिसमें यात्री वाहन और टाटा ऐस जैसे 6 टन से कम वाले वाणिज्यिक वाहन शामिल हैं। हल्के वाहनों के लिए आयातित सेल पर भारत की निर्भरता जारी रहने के आसार हैं। एसएेंडपी ग्लोबल के अनुसार साल 2030 तक हल्के वाहनों को चलाने के लिए आवश्यक कुल बैटरी सेल का केवल 13 प्रतिशत ही घरेलू स्तर पर उत्पादित हो सकेगा। शेष हिस्से के लिए बाहर से आपूर्ति होगी। एसएेंडपी का यह भी अनुमान है कि साल 2030 तक 23 प्रतिशत बैटरी मॉड्यूल भारत में निर्मित किए जाएंगे, जो मौजूदा नगण्य मात्रा की तुलना में अधिक है। हालांकि बैटरी पैक के मामले में, जिनमें से 50 प्रतिशत का उत्पादन पहले ही भारत में होता है, साल 2030 तक यह आंकड़ा कुछ कम होकर 48 प्रतिशत रह सकता है। एसएेंडपी ने आगाह किया है कि स्थानीयकरण पर जोर देने से ज्यादा विनिर्माता बाहर से आपूर्ति करने के बजाय भारत में ही बैटरी पैक का उत्पादन कर सकते हैं। रिपोर्ट में हल्के वाहनों के लिए भारत की वैश्विक खरीद में बदलाव के बारे में भी बताया गया है। वर्तमान में इस बाजार पर चीन के सेल विनिर्माताओं का वर्चस्व है। उम्मीद है कि जापान और दक्षिण कोरिया के सेल विनिर्माता साल 2027 तक इस बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा लेंगे। खास तौर पर इसलिए कि मारुति और ह्युंडै अपने ई वाहनों को उतारने के लिए अपने देशों से सेल लेने को प्राथमिकता दे रहे हैं। बता दें कि सत्तर प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक यात्री वाहन बाजार में अग्रणी है। इससे वह बैटरी की सबसे बड़ी उपभोक्ता बन गई है। हालांकि मारुति सुजूकी इंडिया उसके साथ होड़ में है।

मिड रेंज सेगमेंट में रियलमी की पी सीरीज भारतीय बाजार में आने के लिए तैयार

New Series
realme 'P' series:
POWER

नई दिल्ली ।
भारत के उपभोक्ता प्रौद्योगिकी बाजार में हाल के वर्षों में तेजी आई है, जिसका बाजार मूल्य 250 अरब डॉलर से अधिक तक पहुंच गया है। वहीं मिड-प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट सालाना आधार पर 27 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 5 फीसदी बाजार हिस्सेदारी तक पहुंच गया है।

लेकिन स्मार्टफोन उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद नवाचार में कमी नजर आ रही है। बाजार में मौजूदा स्मार्टफोन के डिजाइन साधारण हैं, उपयोगकर्ता अनुभव भी काफी काफी साधारण है। बाजार की यह स्थिति व्यवसाय मॉडल और उपयोगकर्ता जुड़ाव में निरंतर नयेपन की सिफारिश करती है।

रियलमी एक ऐसा ब्रांड है जो उच्च गुणवत्ता वाली तकनीक और बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है और यह उद्योग में हमेशा आगे रहता है। अपने युवा उपभोक्ता आधार के बीच नवाचार की आवश्यकता को पहचानते हुए रियलमी का लक्ष्य रोजमर्रा की जिंदगी से दूर जाना है। युवाओं की प्राथमिकताओं के बारे में ब्रांड की गहरी समझ ने शानदार उत्पादों का निर्माण किया है जो उद्योग में एक बेंचमार्क के रूप में स्थापित हो चुका है।

इस साल रियलमी ने बाजार हिस्सेदारी पर कब्जा करने के लिए कम कीमतों पर प्रीमियम उत्पादों की पेशकश कर मध्य श्रेणी के बाजार को बदलने की योजना बनाई है।

पहली बार रियलमी विशेष रूप से भारतीय बाजार के लिए तैयार की गई एक बिल्कुल नई स्मार्टफोन सीरीज ला रहा है। इसका लक्ष्य भारत में अपने ग्राहकों और फॉलोअर्स के लिए मिड रेंज स्मार्टफोन अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव लाना है। नई पी सीरीज की शुरूआत के साथ रियलमी का इरादा रचनात्मकता, नवाचार और जुड़ाव के प्रति अपने समर्पण को अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ाने का है।

पी सीरीज साधारण डिजाइन और खराब प्रदर्शन से मुक्त होने की गारंटी देती है। यह अपने प्रीमियम उत्पादों के माध्यम से प्रौद्योगिकी को लोकतांत्रिक बनाने में अग्रणी के रूप में रियलमी के दृढ़ विश्वास और उसकी भूमिका की समझ को दर्शाता है। रियलमी पी सीरीज को किफायती मूल्य और प्रीमियम डिवाइस में पेश करके रणनीतिक योजना के हिस्से के रूप में बेहतर प्रदर्शन और गुणवत्ता के साथ मध्य श्रेणी के बाजार में हलचल मचाने के लिए तैयार है।

ब्रांड का मकसद किसी भी अन्य टेक कंपनी की तुलना में युवा उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने और पूरा करने पर केंद्रित है। व्यापक शोध के माध्यम से रियलमी ने चार प्रमुख विशेषताओं की पहचान की है, जिनके लिए वह उपयोगकर्ता प्रदर्शन, डिस्प्ले चार्जिंग क्षमताओं और समग्र गुणवत्ता को सबसे अधिक महत्व देती है। रियलमी पी सीरीज में बेहतर स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करने के लिए कई तकनीकों का उपयोग किया गया है।

एक मजबूत चिपसेट द्वारा संचालित पी सीरीज बेहतर प्रदर्शन और सीमलेस मल्टीटास्किंग सुनिश्चित करती है, जो इसे उन उपयोगकर्ताओं के लिए आदर्श बनाती है जो अपने उपकरणों से उच्च प्रदर्शन की मांग करते हैं। इसके अलावा यह स्मार्टफोन उच्च रिफ्रेश रेट के साथ एक प्रभावशाली डिस्प्ले का दावा करता है जो एक स्मूथ और अधिक इमर्सिव व्यूइंग अनुभव प्रदान करता है। पी सीरीज स्मार्टफोन की एक सीरीज का प्रतिनिधित्व करती है जो न केवल प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करती है बल्कि उपयोगकर्ता अनुभव में एक अनोखा मोड़ भी लाती है।

रियलमी प्रौद्योगिकी पर केंद्रित एक ब्रांड है, यह युवा ऊर्जा और साहसिक भावना दोनों को दृढ़ता से पहचानता है। नई रियलमी पी सीरीज इस बाजार में एक रोमांचक और नवाचार का संकेत देती है। इसका आकर्षक डिजाइन अवधारणाओं को बेहतर तकनीक के साथ जोड़ता है जिसके परिणामस्वरूप मजबूत उपयोगकर्ता अनुभव प्राप्त होता है।

रियलमी पी सीरीज साल के सबसे प्रतीक्षित लॉन्च में से एक होने वाली है। यह स्मार्ट टेक्नोलॉजी के प्रति रियलमी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साथ ही यह युवा उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए रियलमी की प्रतिबद्धता को दिखाती है। आकर्षक डिजाइन और बेहतर तकनीक के अनूठे मिश्रण के साथ, यह एक उपयोगकर्ता अनुभव का वादा करती है।

पी सीरीज की शुरूआत मध्य-श्रेणी के स्मार्टफोन बाजार को बदलने के लिए रियलमी के समर्पण को दिखाता है। इस सीरीज का बाजार में बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। यह साफ है कि रियलमी इस उद्योग में नयापन लाने के लिए तैयार है।

सोने-चांदी की कीमतों में फिर गिरावट, सोना 70,980 के पार चांदी लगभग 81,620 रुपए

नई दिल्ली ।

देश के बाजारों में इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही और दोनों के वायदा ने पिछले रिकॉर्ड तोड़ते हुए नये रिकॉर्ड बना लिए। घरेलू वायदा बाजार में पिछले सप्ताह सोना पहली बार 70 हजार रुपये पार कर गया था। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही है लेकिन बाद में इसके भाव बढकर 70,544 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वोच्च भाव पर पहुंच गए।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 363 रुपये की तेजी के साथ 70,999 रुपये के भाव पर खुलकर 353 रुपये की तेजी के साथ 70,989 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव का आज निचला स्तर 70,940 रुपये रहा। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेजी के साथ हुई और इसने रिकॉर्ड स्तर छू लिया। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 732 रुपये की तेजी के साथ 81,595 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 763 रुपये की तेजी के साथ 81,626 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत जरूर सुस्त रही। लेकिन शुरुआती सुस्ती के बाद इसके भाव बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। कॉमेक्स पर सोना 2,343.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,345.40 डॉलर था। फिलहाल यह 21.30 डॉलर की तेजी के साथ 2,366.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.55 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.50 डॉलर था। फिलहाल यह 0.59 डॉलर की तेजी के साथ 28.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अर्टिगा एमपीवी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार पिछले महीने अर्टिगा की 14,888 यूनिट बिकीं

नई दिल्ली ।
मारुति सुजुकी की अर्टिगा एमपीवी है जिसका 7-सीटर एमपीवी सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार है। पिछले महीने अर्टिगा की 14,888 यूनिट बिकीं, जबकि मार्च 2023 में ये आंकड़ा 9,028 यूनिट का था। यानी सालाना आधार पर अर्टिगा की 5,860 यूनिट ज्यादा बिकीं और इसे 65प्रतिशत की सालाना ग्रोथ मिली। मार्च की टॉप-10 कारों की लिस्ट में मारुति अर्टिगा और महिंद्रा स्कॉर्पियो ही दो ऐसे मॉडल हैं जिन्हें सालाना आधार पर सबसे ज्यादा ग्रोथ मिली। स्कॉर्पियो को 72 प्रतिशत तो वहीं अर्टिगा को 65प्रतिशत की सालाना ग्रोथ मिली। अर्टिगा की डिमांड का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि हर महीने इसे लगभग 14,000 ग्राहक मिल रहे हैं। इसके सामने बोलेरो, इनोवा, फॉर्च्यूनर जैसे मॉडल भी फेल हो रहे हैं। अगर मारुति अर्टिगा की पिछले 6 महीनों की सेल्स को देखें तो यह कार अक्टूबर 2023 में इसकी 14,209 यूनिट, नवंबर 2023 में 12,857 यूनिट, दिसंबर 2023 में 12,975 यूनिट, जनवरी 2024 में 14,632 यूनिट, फरवरी 2024 में 15,519 यूनिट और मार्च 2024 में 14,888 यूनिट बिकीं। यानी 6 महीने के दौरान इसकी कुल 85,080 यूनिट बिकीं। मारुति अर्टिगा में 1.5-लीटर के15सी स्मार्ट हाइब्रिड पेट्रोल इंजन मिलता है जो 102बीएचपी की अधिकतम पॉवर और 136.8 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इस इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दोनों विकल्प पेश किया जाता है। इसका सीएनजी वैरिएंट 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स में उपलब्ध है। सीएनजी मोड में यह कार 87बीएचपी की पॉवर और 121.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करती है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने तीन दिन के भीतर बेचे 3,000 करोड़ के घर, शेयरों ने पकड़ी तूफानी रफ्तार

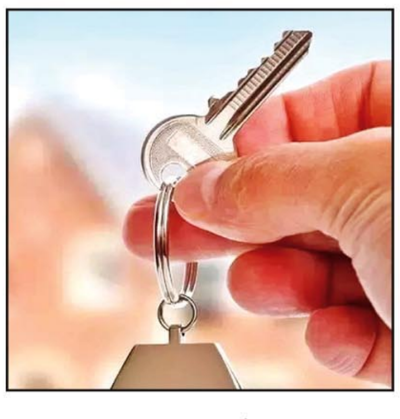

नई दिल्ली ।
रियल एस्टेट डेवलपर गोदरेज प्रॉपर्टीज के सितारे इस वक्त बुलंदियों पर हैं। कंपनी के गुरुग्राम में सबसे बड़े रेजिडेंशियल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट गोदरेज जेनिथ ने लॉन्च के तीन दिन के अंदर ही रिकॉर्ड 1,050 से अधिक घर बेचे हैं, जिनकी कुल कीमत 3,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसका असर उसके शेयरों पर हुआ, जिसमें जोरदार तेजी देखी जा रही है। गोदरेज का अब सबसे सफल लॉन्च गोदरेज प्रॉपर्टीज ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि घरों की संख्या और बिक्री के मूल्य के लिहाज से यह उसका अब तक सबसे कामयाब लॉन्च है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा, पिछले वित्त वर्ष में सालाना आधार पर गुरुग्राम में हमारी बिक्री 473 प्रतिशत बढ़ी है। मौजूदा वित्त वर्ष यानी 2024-25 में हम सेक्टर 103, सेक्टर 54 और सेक्टर 43 में बड़े प्रोजेक्ट लॉन्च करने वाले हैं, जिनसे कंपनी को काफी उम्मीदें हैं। बिक्री में गोदरेज का कोई जवाब नहीं गोदरेज प्रॉपर्टीज ने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी यानी जनवरी-मार्च तिमाही में भी दमदार बिक्री दर्ज की। इसने मुंबई के कांदिवली वाले अपने प्रोजेक्ट गोदरेज रिजर्व में 2,690 करोड़ रुपये के मकान बेचे। वहीं, गुरुग्राम के गोदरेज एरिस्टोक्रेट प्रोजेक्ट में कंपनी की 2,875 करोड़ रुपये से अधिक की इन्वेंट्री बिकी। इसने पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भी नोएडा में अपने प्रोजेक्ट गोदरेज ट्रॉपिकल आइल में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के मकान बेचे थे। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने क्या कहा गोदरेज प्रॉपर्टीज के एमडी और सीईओ गौरव पांडेय ने कहा, गुरुग्राम हमारे के लिए काफी अहम बाजार है। हम आगे भी इस शहर में अपनी जड़ों को और मजबूत करने की कोशिश करेंगे। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के मशहूर कारोबारी घराने गोदरेज ग्रुप का हिस्सा है। यह देश के सबसे रियल्टी डेवलपर्स में से एक है। इसका मुख्य फोकस मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, पुणे और बेंगलुरु में रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स पर रहा है। इसने हाल ही में हैदराबाद के मार्केट में भी एंट्री की है। गोदरेज प्रॉपर्टीज शेयर प्राइस गोदरेज प्रॉपर्टीज के रिकॉर्ड बिक्री के आंकड़ों से उत्साहित निवेशक कंपनी में जमकर निवेश कर रहे हैं। शुरुआती कारोबार में ही गोदरेज प्रॉपर्टीज का शेयर करीब 7 प्रतिशत उछलकर 2,700 रुपये के पार पहुंच गया। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने पिछले 6 महीने में 64 और 1 साल में 118 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

खत्म नहीं हो रही विस्तारा की मुश्किल, कम की 10 प्रतिशत उड़ानें; घरेलू नेटवर्क पर ज्यादा असर

नई दिल्ली ।
कुछ दिनों से विस्तारा एयरलाइंस में पायलट्स की कमी का असर साफ तौर पर दिख रहा है। रविवार को विस्तारा ने कहा कि वह अपनी क्षमता में 10 प्रतिशत या लगभग 25-30 उड़ानें प्रतिदिन कम कर रही है। दरअसल विस्तारा एयरलाइंस पायलट्स की कमी से जूझ रही है और उड़ानों को स्थिर करने का प्रयास लगातार जारी है। बता दें कि विस्तारा एयरलाइंस को 31 मार्च से हर दिन 300 से अधिक उड़ानें संचालित करनी थीं। विस्तारा ने 10 प्रतिशत कम की उड़ानें विस्तारा का कहना है कि हम सावधानीपूर्वक प्रतिदिन लगभग 25-30 उड़ानों तक कम कर रहे हैं। यानी लगभग 10 प्रतिशत उड़ानें कम की जा रही हैं। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि रोस्टरों में बहुत लचीलेपन और बफर देने करने की आवश्यकता है।

घरेलू नेटवर्क पर ज्यादा असर

रद्दीकरण का असर ज्यादातर घरेलू नेटवर्क में देखा जा रहा है। विस्तारा का कहना है कि ग्राहकों की असुविधा कम करने के लिए उन्हें समय से पहले ही सूचित किया जा रहा है। सभी प्रभावित यात्रियों को पहले ही अन्य उड़ानों में समायोजित कर दिया गया है। बता दें कि इस सप्ताह की शुरुआत में कई पायलटों की तबीयत खराब होने के कारण कंपनी को बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। विस्तारा के सीईओ विनोद कन्नन ने कहा कि उड़ानें रद्द होने का मुख्य कारण बढ़ा हुआ रोस्टर है। बीते गुरुवार को विस्तारा एयरलाइंस के पायलट्स ने थकान की शिकायत की थी और इसका सीधा असर सुरक्षा पर पड़ता है। पायलट्स का कहना है कि वह अधिकतम फ्लाइट ड्यूटी की सीमा तक पहुंच गए हैं और थकान की वजह से वे जल्दी जल्दी बीमार हो रहे हैं। विस्तारा एयरलाइंस के कई पायलट बीमार बताए जा रहे हैं। वहीं कई एयर इंडिया के साथ विस्तारा के विलय के बाद लाए जाने वाले सैलरी स्ट्रक्चर से खुश नहीं हैं और इसका विरोध कर रहे हैं।

डीजीसीए की घटनाक्रम पर है नजर

डीजीसीए की भी इस पूरे मामले पर नजर है। यही वजह है कि डीजीसीए ने विस्तारा एयरलाइंस से बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल होने पर जवाब मांगा था। साथ ही डीजीसीए ने पायलट्स के विरोध को देखते हुए नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने पर फिलहाल रोक लगा दी है और इन पर और चर्चा करने को कहा है। नए नियम 1 जून से लागू होने थे।

प्रगनानंदा और वैशाली की शानदार जीत, टूर्नामेंट में एक साथ जीतने वाले पहली भाई-बहन की जोड़ी

टोरंटो (कनाडा)।

शतरंज की नई सनसनी आर प्रगनानंदा ने दूसरे दौर में डी गुकेश के हाथों मिली हार से उबरते हुए कैंडिडेट्स शतरंज के तीसरे दौर में साथी खिलाड़ी विदित गुजराती पर काले मोहरों से हैरतअंगेज जीत दर्ज की। विदित ने दूसरे दौर में खिताब के प्रबल दावेदार अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को हराया था, लेकिन यहां उन्हें सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद प्रगनानंदा की ओपनिंग के आगे 45वीं चाल में नतमस्तक होना पड़ा। यही नहीं महिला वर्ग में प्रगनानंदा की बहन आर वैशाली ने बुल्गारिया की अंतरराष्ट्रीय मास्टर नुरग्यूल सालिमोवा को पराजित किया। तीसरे दौर में सिर्फ इन्हीं दो बाजियों के परिणाम निकले बाकी सभी ड्रॉ रहीं। प्रगनानंदा और वैशाली कैंडिडेट्स में एक साथ जीतने वाली दुनिया की इकलौती भाई-बहन की जोड़ी बन गई।

गुकेश ड्रॉ के साथ संयुक्त बढ़त पर - डी गुकेश और रूस के इयन नेपोमनियाच्ची के बीच बाजी ड्रॉ रही। कोनेरू हंपी ने भी सफेद मोहरों से चीन की झोंगयी तान के खिलाफ आसान ड्रॉ खेला। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और शीर्ष वरीय अमेरिकी फैबियानो कारुआना के बीच भी मुकाबला ड्रॉ रहा। नाकामुरा और अजरबैजान के निजात एबोसोव ने भी ड्रॉ खेला। महिला वर्ग में चीन की ली टिंग जी और रूस की अलेक्जांद्रा गोर्याचकिना के अलावा रूस की कैटरीना लागनो और यूक्रेन की एना मुजीशुक के बीच बाजी ड्रॉ रही। पुरुष वर्ग में कारुआना, नेपोमनियाच्ची, गुकेश दो-दो अंक के साथ बढ़त पर हैं। प्रगनानंदा, गुजराती के डेढ़-डेढ़ और नाकामुरा, एबोसोव, फिरोजा का एक-एक अंक है। महिलाओं में झोंगयी तान दो अंक के साथ इकलौती बढ़त पर हैं। हंपी, वैशाली, गोर्याचकिना, लागनो का डेढ़-डेढ़ अंक है। ली, मुजीशुक, सालीमोवा का एक-एक अंक है।

प्रगनानंदा ने शिलमैन रक्षण से चौंकाया - गुजराती ने रूय लोपेज से शुरुआत की, लेकिन प्रगनानंदा ने सभी को हैरान करते हुए इस ओपनिंग के खिलाफ शिलमैन रक्षण को अपनाया। काले मोहरों से यह ओपनिंग शीर्ष स्तर के मुकाबलों आमतौर पर नहीं देखी जाती है।

न्यूज ब्रीफ

एथलेटिक बिलबाओ ने जीता 42वां कोपा डेल रे खिताबः स्पैनिश टूर्नामेंट के फाइनल में मलोर्का को पेनल्टी में 4-2 से हराया

CAMPEONES
CAMPEONES
COPA DEL REY

नई दिल्ली । स्पैनिश क्लब एथलेटिन बिलबाओ ने 24वीं बार कोपा डेल रे खिताब जीता। 1984 के बाद से यह टीम का पहला खिताब है। टीम ने सेविया के मैदान पर मलोर्का को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया। एथलेटिक के गोलकीपर जुलेन एगिरेजबाला ने मैनुअल मोरलेन्स द्वारा पेनल्टी बचाई। जबकि मलोर्का के नेमांजा रेडोनजिक ने गोल पोस्ट से दूर शॉट लगाया। एथलेटिक की ओर से राउल गार्सिया, इकर मुनिएन, मिकेल वेस्गा, और एलेजांद्रो बेरेंगुएर ने पेनल्टी स्कोर की। सभी खिलाड़ी सब्सटिट्यूट थे। एथलेटिक ने अपना 23वां और आखिरी कोपा 1984 में जीता था। तब से वह 2020 और 2021 सहित लगातार छह फाइनल हार चुका है। इस साल जीतने के लिए, टीम ने पहले क्वार्टर फाइनल में बार्सिलोना और सेमीफाइनल में एटलेटिको मैड्रिड को हराया फुल टाइम तक स्कोर 1-1 फाइनल में फुल टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा था। डानी रोड्रिग्ज ने 21वें मिनट में मैलोर्का को बढ़त दिलाई और एथलेटिक के ओइहान सेंसेट ने 50वें मिनट में स्कोर बराबरी पर ला दिया। एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर लाइन चेंज नहीं हुई और गेम पेनल्टी तक चला गया। स्पेन का सबसे पुराना डोमेस्टिक टूर्नामेंट है कोपा डेल रे कोपा डेल रे स्पैनिश फुटबॉल का डोमेस्टिक नॉकआउट टूर्नामेंट है। इसकी शुरुआत साल 1903 में हुई थी, इसलिए यह स्पेन का सबसे पुराना डोमेस्टिक टूर्नामेंट है। टूर्नामेंट स्पेन के सभी प्रोफेशनल क्लब को खेलने का मौका मिलता है। कुल 126 टीमों ने इस साल के टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। कोपा डेल रे विजेता अगले सीजन के यूऐफा यूरोपा लीग के लिए कोटा प्राप्त करता है। यदि वे अपनी लीग रैंकिंग से पहले ही यूरोप के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं, तो यूरोपा लीग का स्थान फर्स्ट टियर लालीगा में सर्वोच्च स्थान वाली टीम को दिया जाता है, जिसने अभी तक क्वालीफाई नहीं किया है।

मयंक यादव की चोट गंभीर नहींः क्रुणाल पंड्या बोले- मैने उनसे बातचीत की, वे ठीक हैं ; जीटी के खिलाफ एक ही ओवर फेंक सके पेसर

नई दिल्ली । इस सीजन आईपीएल की सबसे तेज गेंद फेंकने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के पेसर मयंक यादव चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। लखनऊ में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मयंक एक ओवर की फेंक सके। गुजरात टाइटंस की इनिंग्स में मयंक के इकलौते ओवर में 13 रन आए। लखनऊ के ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने कहा, युवा तेज गेंदबाज मैदान से बाहर आने के बाद ठीक लग रहे थे। क्रुणाल मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में बोले, मैंने मयंक के साथ बातचीत की और वह ठीक लग रहे थे, जो एक टीम के लिए पॉजीटिव बात है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मयंक पसली में खिचाव और चोट के कारण बाहर चले गए। इस सीजन मयंक इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में करियर के पहले दो मैचों में लगातार दो प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले पहले क्रिकेटर बने। इस सीजन मयंक ने 156.7 की स्पीड टच की मयंक ने इस सीजन पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल में डेब्यू किया और 150 किमी प्रति घंटे की स्पीड को आसानी से पार कर लिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपने दूसरे आईपीएल मैच में, उन्होंने 14 रन देकर तीन विकेट लिए और 156.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी भी की, जो इस सीजन की सबसे तेज गेंद है।

पेरिस ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं भाला फेंक खिलाड़ी जेना

नई दिल्ली । भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना का लक्ष्य आगामी पेरिस ओलंपिक में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। जेना ने पिछले साल अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 78.05 मीटर से बढ़ाकर 87.54 मीटर किया था जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। वह 10 मई को डायमंड लीग के दोहा चरण से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। वह 28 मई को ओस्ट्रावा, चेक गणराज्य में गोल्डन स्पाइक और सात जुलाई को डायमंड लीग के पेरिस चरण में भाग लेंगे। इस खिलाड़ी ने कहा कि डायमंड में बेहतर प्रदर्शन पर उनकी नजरें इसलिए लगी हुई हैं क्योंकि इससे मनोबल बढ़ता है। इस खिलाड़ी ने साथ ही कहा कि आजकली देश में सभी प्रकार की सहायता एथलीटों को मिल रही है। जेना ने कहा, देश में अब खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं मिल रही हैं। अब सफलता के लिए केवल उन्हें अपने पर भरोसा रखना होगा। जेना का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को अपनी विचार धारा में सुधार करना होगा। उन्हें ये समझना होगा कि वे किसे से भी पीछे नहीं हैं। जेना का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को यह सोचने की जरूरत है कि वे किसी ने कम नहीं है क्योंकि देश में एथलीटों के लिए अभी पर्याप्त सुविधाएं हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी, ऑस्ट्रेलिया से लगातार दूसरा मैच हारी

पर्थ ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पिछले मैच की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने के बावजूद यहां पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 2-4 से पराजित हो गई। भारत को पहले टेस्ट में 1-5 से हार का सामना करना पड़ा था। पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए आयोजित की जा रही इस सीरीज का तीसरा टेस्ट 10 अप्रैल को खेला जाएगा।

पहल हाफ तक आगे चल रही थी भारतीय टीम

मेहमान टीम ने मैच के पहले और दूसरे क्वार्टर में मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ बराबरी का खेल दिखाया। बल्कि पहले हाफ तक भारतीय टीम 2-1 से आगे चल रही थी। लेकिन तीसरे क्वार्टर में खराब रक्षण का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा क्योंकि मेजबान टीम ने तीन गोल कर लगातार दूसरी जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलिया के लिए जेरेमी हेवर्ड (छठे और 34वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया जबकि जैकब एंडरसन (42वें मिनट) और नाथन एफ्राम्स (45वें मिनट) ने मैदानी गोल दागे। भारत के लिए जुगराज सिंह (नौवें मिनट) और कप्तान हरमनप्रीत सिंह (30वें मिनट) ने पेनल्टी कार्नर पर गोल किए।

मेजबान टीम ने भारी रखा पलड़ा

भारतीय टीम ने इस मैच में तेज शुरुआत की। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने छठे मिनट में अपने पहले ही पेनाल्टी कॉर्नर पर हेवर्ड की बदौलत बढ़त हासिल कर ली। भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने अनुभवी पीआर श्रीजेश की जगह शुरुआत की। वह हेवर्ड की ताकतवर ड्रैग फ्लिक को नहीं रोक सके जिससे मेजबान टीम 1-0 से आगे हो गई। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम आक्रामक हो गई और उन्होंने तुरंत बाद लगातार पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए। लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति डटी रही। भारतीय खिलाड़ियों ने धीरे-धीरे मैच में शिकंजा कसना शुरू किया और ऑस्ट्रेलियाई रक्षण पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। जिससे भारत ने लगातार तीन पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए, पर इसमें से पहले दो पेनल्टी कॉर्नर बेकार चले गए। लेकिन तीसरे में जुगराज ने नौवें मिनट में टीम को बराबरी दिला दी।

अब आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम 12वें मिनट में अभिषेक की बदौलत बढ़त दोगुना करने के करीब पहुंची लेकिन उनका शॉट क्रास बार से टकरा गया। दूसरे क्वार्टर में भारतीय रक्षापंक्ति ऑस्ट्रेलिया से मिले दबाव से डगमगायी नहीं। पहले हाफ से महज 41 सेकंड पहले भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला और कप्तान हरमनप्रीत ने अपने करियर का 180वां गोल करने में कोई गलती नहीं की जिससे टीम 2-1 से बढ़त बनाने में सफल रही। एक गोल से पिछड़ने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम तिलमिला गई और भारत पर दबदबा बनाते हुए तीन गोल दाग दिए। चौथे क्वार्टर में दोनों टीमें गोल करने के प्रयास जारी रखे। लेकिन कोई भी सफल नहीं हो सका।

भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाले 42 वर्ष में पहले भारतीय बने

मोंटे कार्लो ।

भारत के टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने एक और इतिहास रचते हुए क्ले कोर्ट पर खेले जाने वाले मोंटे कार्लो मास्टर्स के मुख्य दौर में प्रवेश कर लिया है। वह इस टूर्नामेंट के मुख्य दौर में पहुंचने वाले 42 वर्ष में पहले भारतीय हैं। इससे पहले इस टूर्नामेंट के मुख्य दौर में खेलने वाले रमेश कृष्णन अंतिम भारतीय थे। वह यहां 1982 में खेले थे, लेकिन उन्हें पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा था।

एक सेट गंवाकर की वापसी

विश्व नंबर 95 सुमित ने क्वालिफाइंग दौर के फाइनल में विश्व नंबर 55 अर्जेंटीना के डियाज अकोस्टा को 7-5, 2-6, 6-2 से परास्त कर मुख्य दौर में प्रवेश किया। नागल की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वह पहले सेट में एक समय 2-5 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए बाकी सभी गेम जीत 7-5 से यह सेट अपने नाम किया। दूसरा सेट गंवाने के बाद वह निर्णायक सेट में फिर लय में आए और जीत हासिल कर ली। वह मुख्य ड्रॉ के पहले पहले दौर में दुनिया के 35वें नंबर के खिलाड़ी इटली के माटियो अर्नाल्डी से भिड़ेंगे।

अपनी उपलब्धि से रोमांचित हुए नागल

नागल अपनी इस उपलब्धि से काफी रोमांचित हुए। उन्होंने अपनी जीत के बाद एक्स पर पोस्ट डाल लिखा, मोंटे कार्लो के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाकर रोमांचित हूं। मैं भारत और दुनिया भर से मिले समर्थन और शुभकामनाओं की सराहना करता हूं। अब अगले मैच का इंतजार नहीं कर पा रहा हूं। पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे थे नागल नागल ने इस साल की शुरुआत में वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के दौरान भी इतिहास रचा था। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर से पहली बार आगे बढ़ पाए थे। 2021 में भारतीय स्टार को शुरुआती दौर में लिथुआनिया के रिकार्डस बेरांकिस के हाथों 2-6, 5-7, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, नागल पहले भी किसी ग्रैंडस्लैम इवेंट के दूसरे दौर में खेल चुके हैं। नागल ने 2020 यूएस ओपन में ऐसा किया था, जहां वह दूसरी वरीयता प्राप्त डोमिनिक थिएम से 6-3, 6-3, 6-2 से हार गए थे।

एशियाई ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट से पहले अभ्यास के लिए तुर्की जाएंगे लवलीना सहित चार मुक्केबाज

नई दिल्ली ।

एशियाई ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट से पहले अभ्यास के लिए मुक्केबाज निकहत, प्रीति पवार, प्रवीण हुडा और लवलीना बोर्गोहेन तुर्की जाएंगे। इस दौरान इन मुक्केबाजों के साथ इनके कोच भी रहेंगे। वहीं पहलवान सुजीत 65 किग्रा, दीपक पूनिया 86 किग्रा और नवीन 74 किग्रा इस माह रूस जाएंगे। इन सभी खिलाड़ियों को खेल मंत्रालय के ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) कार्यक्रम के तहत भेजा जा रहा है। इसमें पूरा खर्च खेल मंत्रालय उठाता है।

इससे पहले खेल मंत्रालय ने इन सभी के विदेश में अभ्यास करने के लिए वित्तीय सहायता के आग्रह को स्वीकर कर लिया था। इस योजना का लाभ एथलीट मुरली श्रीशंकर, टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और शॉटगन निशानेबाज भवानीश मेंदीरता सहित कई अन्य खिलाड़ियों का भी मिलेगा।

पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने वाले शॉटगन निशानेबाज मेंदीरत्ता बाकू में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप के लिए अपने निजी कोच डेनियल डि स्पिग्नो के साथ अभ्यास के लिए इटली जाएंगे, जबकि एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता श्रीशंकर सुजोउ दोहा में डायमंड लीग में शामिली होंगे। खेल मंत्रालय ने इसके अलावा तीन अन्य निशानेबाजों अनंतजीत सिंह नरुका और रायज़ा ढिल्लों (स्कीट) और राजेश्वरी कुमारी (ट्रैप)तथा पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी पलक कोहली को भी टॉप्स योजना में शामिल किया है। अब इनको भी अभ्यास के लिए मंत्रालय से सभी सहायता मिलेगी। टॉप्स योजना में उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिनसे पदक की उम्मीद रहती है।

शुभमन ने हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

लखनऊ ।

गुजरात टाइटन्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के हाथों 33 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसपर गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने बल्लेबाजों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। गुजरात ने सत्र की शुरुआत जीत के साथ की थी पर इसके बाद उसका अभियान पटरी से उतर गया। शुभमन ने कहा कि ये विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था।

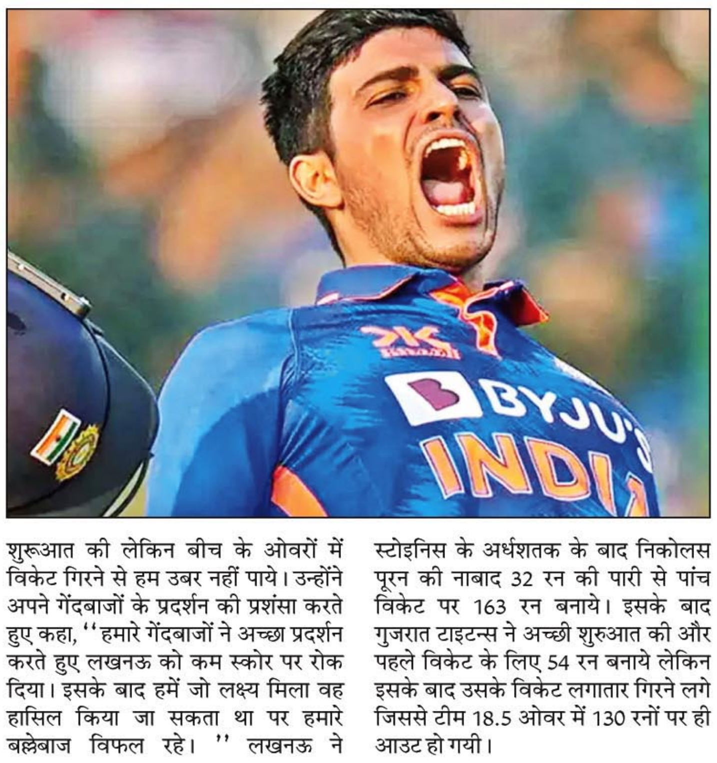

इस मैच में ऑल राउंडर मार्कस स्टोइनिस के अर्धशतक 58 रनों के बाद यश ठाकुर के पांच विकेट से लखनऊ ने लगातार तीसरा मुकाबला जीता। यह लखनऊ की गुजरात टाइटन्स पर पहली जीत है। शुभमन ने मैच के बाद कहा, ''मुझे लगता है कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था पर हमारी बल्लेबाजी कमजोर रही। हमने अच्छी शुरूआत की लेकिन बीच के ओवरों में विकेट गिरने से हम उबर नहीं पाये। उन्होंने अपने गेंदबाजों के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा, ''हमारे गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए लखनऊ को कम स्कोर पर रोक दिया। इसके बाद हमें जो लक्ष्य मिला वह हासिल किया जा सकता था पर हमारे बल्लेबाज विफल रहे। '' लखनऊ ने स्टोइनिस के अर्धशतक के बाद निकोलस पूरन की नाबाद 32 रन की पारी से पांच विकेट पर 163 रन बनाये। इसके बाद गुजरात टाइटन्स ने अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 54 रन बनाये लेकिन इसके बाद उसके विकेट लगातार गिरने लगे जिससे टीम 18.5 ओवर में 130 रनों पर ही आउट हो गयी।

सोफी मोलिनक्स ने 2024/2025 के लिए 17-खिलाड़ियों के समूह के हिस्से के रूप में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का केंद्रीय अनुबंध अर्जित किया

सिडनी।

एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय वापसी पर, स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स ने 2024/2025 के लिए 17-खिलाड़ियों के समूह के हिस्से के रूप में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का केंद्रीय अनुबंध अर्जित किया है। आईसीसी के अनुसार, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सूची की घोषणा की, जिसमें अनुबंध अवधि में बांग्लादेश में टी20 विश्व कप और घरेलू धरती पर बहुप्रतीक्षित बहु-प्रारूप एशेज श्रृंखला शामिल है। 26 वर्षीय को 21 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित ऑस्ट्रेलिया के बांग्लादेश दौरे के दौरान अपग्रेड किया गया था और नए अनुबंध अवधि के लिए अपना स्थान बरकरार रखा था, जबकि मेग लैनिंग पिछले साल नवंबर में अपनी अंतरराष्ट्रीय सेवानिवृत्ति के बाद सूची से बाहर हो गईं। श्रृंखला के दौरान, मोलिनक्स ने दो एकदिवसीय मैचों में पांच विकेट और तीन टी20ई में छह विकेट लिए। सोफी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) महिला प्रीमियर लीग (आईपीएल) की जीत का भी हिस्सा थीं, उन्होंने 10 मैचों में 12 विकेट लिए, जिसमें फाइनल में तीन विकेट भी शामिल थे और कुछ मूल्यवान रन भी बनाए। इस सब से पहले, सोफी ने 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। घोषणा पर, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रदर्शन प्रमुख और राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने चोटों से उबरने के बाद ऑस्ट्रेलियाई एकादश में जगह बनाए रखने के लिए मोलिनक्स की लड़ाई और देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार खेल समूह की गहराई की प्रशंसा की। आईसीसी के हवाले से फ्लेगलर ने कहा, इस गर्मी में टीम में सफल वापसी के बाद सोफ (मोलिनेक्स) को अनुबंध की पेशकश करने में सक्षम होने पर हमें खुशी है। उसने पूरी फिटनेस हासिल करने के लिए काफी लचीलापन दिखाया है और वह अगली गर्मियों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, हमें लगता है कि सूची में काफी गहराई और विभिन्न प्रकार के कौशल शामिल हैं जो 2024-25 के लिए निर्धारित विभिन्न श्रृंखलाओं में काम आएंगे, जिसमें टी20 विश्व कप और बहु-प्रारूप एशेज श्रृंखला भी शामिल है। इस साल सितंबर से अक्टूबर तक आगामी टी20 विश्व कप की मेजबानी करने वाले बांग्लादेश के अपने सफल दौरे से लौटने के बाद, ऑस्ट्रेलियाई टीम वैश्विक टूर्नामेंट की तैयारी के लिए मई से तैयारी प्रशिक्षण शिविर शुरू करेगी और शुरुआत में तीन टी20ई के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी। सितम्बर। टी20 विश्व कप के बाद, ऑस्ट्रेलिया 12 जनवरी से पुराने दुश्मन इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला से पहले, तीन-तीन वनडे मैचों के लिए भारत और न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। जिन खिलाड़ियों को शुरुआती 17 के हिस्से के रूप में अनुबंध नहीं दिया गया है, वे अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में प्रदर्शित होने के बाद अर्जित अपग्रेड अंक अर्जित करके पूरे वर्ष अनुबंध अर्जित कर सकते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा अनुबंधित महिला खिलाड़ी 2024-25: डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गर्थ, हीथर ग्राहम, ग्रेस हैरिस, एलिसा हीली, जेसिका जोनासेन, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनेक्स, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शुट्ट , एनाबेल सदरलैंड, तायला व्लामिन्क, जॉर्जिया वेयरहम।

स्वास्थ्य

शरीर को ही नहीं बालों को भी स्वस्थ रखता है नारियल पानी

गर्मियों में नारियल पानी से होने वाले फायदों से हर कोई वाकिफ़ है। चिलमिलाती धूप होने पर नारियल पानी ना सिर्फ कूल और रिलैक्स रखता है, बल्कि आपको कई स्वास्थ्य लाभ भी देता है। कहने में गुरेज नहीं है कि नारियल प्रकृति की अनमोल देन है, जिसके अनगिनत फायदे हैं। गर्मियों में बाजार में मिलने वाले पैक्ड फ्रूट जूस पीने से बेहतर हैं आप नारियल पानी पिएं। चाहे स्वास्थ्य की, स्किन की या बालों की समस्या हो... नारियल पानी हर बीमारी का इलाज है। वैसे तो नारियल पानी किसी भी वक्त पिया जा सकता है। लेकिन सुबह के समय नारियल पानी पीना सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित होता है। सुबह नारियल पानी पीने से आपके शरीर को दिनभर के लिए भरपूर एनर्जी मिलती है।

जानते हैं गुणकारी नारियल पानी के फायदे

1. गर्मियों में हमारे शरीर को पानी की अधिक मात्रा में जरूरत होती है। अक्सर कम पानी पीने से कई बीमारियों को न्योता मिलता है। ऐसे में लगातार नारियल पानी पीने से शरीर में पानी की कमी दूर होगी। डॉक्टर्स भी डिहाइड्रेशन, डायरिया और पेट खराब होने पर नारियल पानी पीने की सलाह देते हैं।
2. नारियल पानी एक बेहतरीन हार्ट टॉनिक है। यह कोलेस्ट्रॉल और फैट फ्री होता है। इसलिए यह दिल से जुड़ी बीमारियों को आपसे दूर रखने में मददगार है। लगातार नारियल पानी पीने से आपका दिल स्वस्थ रहेगा।
3. हाई ब्लड प्रेशर को बैलेंस करने में नारियल पानी काफी मददगार है। इसमें मौजूद विटामिन-सी, पोटैशियम और मैग्नीशियम ब्लड-प्रेशर को काबू रखने में कारगर है। वहीं, नारियल पानी के सेवन से हाइपर-टेंशन को भी नियंत्रित करने में मदद मिलती है।
4. अगर आप बढ़े हुए वजन और मोटापे से परेशान हैं तो हफ्ते में तीन-चार बार नारियल पानी जरूर पिएं। नारियल पानी फैट-फ्री और लो-कैलरी युक्त पेय है। यह पाचन तंत्र को भी स्वस्थ बनाए रखता है। ध्यान रखें, ज्यादा नारियल पानी पीने से इसका उल्टा असर भी पड़ सकता है।
5. अगर आपको आए दिन सिरदर्द की शिकायत रहती है, तो नारियल पानी पिएं।
6. अगर कभी ज्यादा पी ली हो तो हैंगओवर उतारने के लिए नारियल पानी पिएं।
7. नारियल पानी पोषक तत्वों से भरपूर है। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के लिए नारियल पानी औषधि के समान है। नारियल पानी गर्भावस्था में होने वाली समस्याओं (जी मिचलाना, एसिडिटी और थकान) से छुटकारा दिलाता है।
8. अगर बढ़ती उम्र चेहरे पर दिखने लगी है, तो तुरंत उम्र के प्रभाव को कम करने के लिए नारियल पानी पीना शुरू करें।
9. चेहरे पर दाग-धब्बों और मुहांसों से परेशान हैं, तो नारियल पानी से मुंह धोएं। इससे चेहरे पर निखार आएगा और अनचाहे दागों से छुटकारा मिलेगा। नारियल पानी टैनिंग की समस्या से भी निजात दिलाता है। नारियल पानी आंखों के आस-पास लगाने से डार्क सर्कल की परेशानी से भी पीछा छुटा सकेंगे। नारियल पानी त्वचा की नमी को बरकरार रखता है। बता दें, नारियल पानी ऑयली स्किन के लिए बहुत फायदेमंद है।
10. बालों के लिए नारियल पानी नैचुरल कंडीशनिंग का काम करता है। नारियल पानी से धोने पर बाल मुलायम होते हैं। बालों के टूटने और झड़ने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए नारियल पानी से बाल धोएं।

खाली पेट खाएं भुनी लहसुन...

सर्दियों में भुनी हुई लहसुन का सेवन करने से शरीर को काफी फायदा मिलता है। इसमें बहुत से एंटी बायोटिक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर की कई आवश्यकताओं पूरा करते हैं। सुबह खाली पेट भुने हुए लहसुन का सेवन करने से कॉलेस्ट्रॉल का लेवल कम होता है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं को भी खत्म करता है। इसका सेवन करने से बॉडी का फैट तेजी से बर्न होता है जिससे कि वजन कम होने लगता है।

बढ़ता ही जा रहा है प्री-वेडिंग शूट का क्रेज

SAVE THE DATE
29TH NOVEMBER 2015

प्री-वेडिंग शूट का क्रेज आज से दो-तीन साल पहले बहुत कम था। लेकिन आजकल बहुत ज्यादा हो गया है। प्री वेडिंग शूट का मेन परपस यह होता है कि शादी से पहले दूल्हा-दुल्हन थोड़ा फ्रेंडली हो जाएं। ज्यादातर केसेज में जो फोटोग्राफर प्री-वेडिंग शूट करता है, वही शादी का शूट भी करता है। ऐसे में फोटोग्रॉफर के साथ भी उनकी ट्यूनिंग हो जाए तो सही रहता है। प्री-वेडिंग शूट करने वाले फोटोग्रॉफर अमित बताते हैं, आजकल हर किसी को प्री-वेडिंग शूट कराना होता है। प्री-वेडिंग शूट की लोकेशन कस्टमर की चॉइस पर डिपेंड है। किसी को पहाड़ पसंद है, किसी को बीच पसंद है, तो किसी को किले या महल पसंद हैं। उनकी पसंद के मुताबिक जिम कॉर्बेट, नीमराणा, उदयपुर, जयपुर, गोवा, केरल, दुबई, मलेशिया, थाईलैंड जाकर आपके बजट के मुताबिक प्री-वेडिंग शूट करने का खर्च 1 लाख से लेकर 5 लाख तक का आता है।

कम बजट में भी होते हैं शूट

कम बजट वालों के लिए हम आउटडोर लोकेशंस के नाम दिल्ली के लोदी गार्डन, हुमायूं का मकबरा, नेचर पार्क और मान्यूमेंट्स में शूट करते थे। लेकिन अब पुलिस की सख्ती बढ़ती जा रही है और इन जगहों पर कमर्शल शूटिंग की इजाजत नहीं है। ऐसे में, इस प्रॉब्लम के सॉल्यूशन के तौर पर एनसीआर में कुछ ऐसे स्टूडियो खुल गए हैं, जहां पर बाकायदा फिल्मों की तरह सेट लगाकर कपल्स का प्री-वेडिंग शूट किया जाता है। आजकल कपल्स का रुझान भी सेट्स की ओर ज्यादा है, क्योंकि वहां पर शूट करना काफी आसान होता है। वहां आपको कोई टेंशन नहीं है, तो शूटिंग से लेकर कॉस्ट्यूम तक अवेलेबल हैं। वरना लोदी गार्डन या हुमायूं का मकबरा में ड्रेस चेंज करने में काफी परेशानी आती थी।

सबके बस का नहीं विडियो

हर किसी की ख्वाहिश होती है कि उसकी लवस्टोरी हीरो-हीरोइन की तरह बड़े पर्दे पर सबके सामने चले। वेडिंग फटॉग्राफर सुमित अरोड़ा के अनुसार, शॉर्ट फिल्म शूट तो हर कोई कराना चाहता है, लेकिन यह ख्वाब सबका पूरा नहीं हो पाता। वह बताते हैं, तमाम लोग आकर हमारे पास डिमांड करते हैं कि उनकी लवस्टोरी पर शॉर्ट फिल्म बना दें, जिसे वे अपनी एंगेजमेंट पर सबको दिखा सकें। मसलन कि वे पहले पब में मिलें, फिर प्रपोज किया वगैरह- वगैरह। हालांकि रियल लोकेशन पर तो शूट करना मुमकिन नहीं होता, लेकिन हम सेट पर उनकी डिमांड पूरी करने की कोशिश करते हैं। मसलन कैसे वे कैफे में मिले, पिकनिक हुआ, फोन पर बातें हुई, रोमांटिक डेट हुई। हालांकि विडियो शूट कराना हर किसी के बस का नहीं होता। अमूमन 10 में से 2 कपल ही विडियो शूट करा पाते हैं। वरना ज्यादातर को फोटोज से ही काम चलाना पड़ता है। दरअसल, फोटो के लिए आपको सिर्फ 2 सेकंड स्टिल होना पड़ता है, लेकिन विडियो के लिए आपको कम से कम 15 सेकंड कैमरे के सामने कंफर्टेबल होना पड़ता है।

आजकल म्यूजिक विडियो भी काफी डिमांड में हैं, जहां कपल्स को स्लो मोशन में फिल्मों वाले अंदाज में शूट किया जाता है। बाकी जो विडियो नहीं शूट कर पाते, वे लोग अपने फोटोज का म्यूजिक के साथ स्लाइड शो बनवा लेते हैं।

इयर बड का इस्तेमाल करने से पहले रखें सावधानी...

धूल मिट्टी या नहाते समय साबुन कानों में जम जाता है। इसको साफ करने के लिए कुछ लोग इयर बड का सहारा लेते हैं। लोग समझते हैं कि इससे कानों की सफाई अच्छे तरीके से हो जाएगी लेकिन हम आपको बता दें कि ऐसा करने से आपको नुकसान हो सकता है। आप भी अपने कानों के साथ अलग ऐसा ही कुछ कर रहे हैं तो यह बहुत गलत तरीका है। आइए जानें क्या-क्या हो सकते हैं इसके नुकसान

पर्दे को नुकसान

इयर बड से कान साफ करने से मैल बाहक निकलने की बजाय अंदर चली जाती है। जिससे कानों के नाजुक पर्दे को नुकसान पहुंच सकता है। इससे सुनने में भी परेशानी हो सकती है। इयर बड के ऊपर रूई लगी होती है जो कान साफ करने से अंदर भी रह सकती हैं। नहाते इस रूई में पानी जमा होता रहता है। जिसमें धीरे-धीरे फंगस पनपने लगती है। जिससे कान को नुकसान पहुंच सकता है।

पर्दे का अंदाजा लगाना मुश्किल

इयर बड को रोजाना इस्तेमाल से कान के अंदर की स्किन भी छिल सकती है। इससे कानों की सुनने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। कान के अंदर चिकनाहट कान के पर्दे तक किसी भी तरह की मैल पहुंचने नहीं देती। जब इयर बड से कान साफ करते हैं तो यह चिकनाई भी साफ हो जाती है। जिससे धुल मिट्टी जल्दी कानों के अंदर तक पहुंच जाती है। कान के अंदर पर्दे का अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। अलग गलती से कान के ज्यादा अंदर तक बड चला जाए तो नुकसान हो सकता है। गंदी इयर बड के इस्तेमाल से कानों के अंदर संक्रमण भी हो सकता है।

सौंदर्य

अगर बिगड़ जाए मेकअप, तो टेंशन न लें...

मेकअप करते समय कुछ गड़बड़ी हो जाए, तो उसे कैसे ठीक करना है। यह जानना भी बेहद जरूरी है। आपका मेकअप बेस हैवी हो जाए या फिर ब्लशऑन डार्क हो जाए। तो जानते हैं कुछ टिप्स:

अगर आप घर पर ही मेकअप का प्लान कर रही हैं, तो कुछ ऐसी बातें भी जान लें कि मेकअप बिगड़ जाए, तो क्या करना है। ऐसे में आप मिनटों में सिचुएशन संभाल लेंगी।

अगर मोटा हो जाए आई लाइनर

क्या करें: वैसे तो मोटा आईलाइनर अच्छा लगता है लेकिन अगर गलती से यह उससे भी मोटा लग गया है जितना आप लगाना चाहती थीं, तो घबराएं नहीं। आपने जिस कलर का आईशैडो यूज किया है, उसे ही इस आईलाइनर पर लगाएं। अब आपकी आंख पर लाइनर नजर नहीं आएगा। पूरे में आईशेडो ही दिखेगा। इसके बाद लाइनर की फाइन लाइन लगाएं।

क्या न करें: इसे पूरा रीमूव करने की कोशिश न करें। इससे सारी आंख काली हो जाएगी।

जब बाल हो जाएं डैमेज

क्या करें: इन दिनों कई तरह की स्ट्रेटनिंग मशीन्स आ गई हैं जिनसे हम घर पर ही बाल स्ट्रेट करने लगते हैं। कई बार तो हम प्रेस का यूज भी करते हैं। इनमें जब हम लेफ्ट हैंड का यूज करते हैं, तो सही तरह से कर नहीं पाते और अक्सर बाल बर्न या डैमेज हो जाते हैं। ऐसे में घर पर ही बालों की अच्छी तरह ऑयलिंग करें। इसके बाद स्टीम लें और लीवअन कंडीशनर का यूज करें। अगर डैमेज ज्यादा है, तो अच्छे ब्यूटी क्लिनिक से रिपेयर ट्रीटमेंट लें। वहीं, सैरामिक स्ट्रेटनर का बेस्ट होते हैं, इन्हें ही इस्तेमाल में लाएं।

क्या न करें: एक बार बाल डैमेज हो जाएं, तो उस इलेक्ट्रिक मशीन का यूज बंद कर दें। बिना प्रोटेक्टिंग क्रीम के स्ट्रेटनिंग न करें।

रोलर ब्रश में फंस जाएं बाल

क्या करें:अक्सर बालों को ड्रायर करते वक्त या कोई हेयरस्टाइल बनाते वक्त जब हम हेयर ब्रश या रोलर्स का यूज करते हैं, तो बाल फंस भी जाते हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट मंजू रावत कहती हैं, ऐसे में बिना हड़बड़ाए किसी दूसरे की मदद लें। इससे बाल निकालने में आसान होगी।

क्या न करें: खुद जबर्दस्ती बाल निकालने की कोशिश न करें। इससे ये और उलझ जाएंगे।

जब बेस हो जाए हैवी

क्या करें:कई बार मेकअप करते वक्त मेकअप बेस हैवी हो जाता है। इसका पता हमें शुरू में नहीं चलता लेकिन बाद में लगता है कि यह बहुत हैवी हो गया है। ऐसे में घर में पड़ी एक स्प्रे बॉटल का यूज करें। थोड़ी दूर से इसे स्प्रे करें। फिर ब्लॉटिंग पेपर या टिशू पेपर इसे टैप करें। इससे एक्स्ट्रा मेकअप टिशू पेपर पर अब्जॉर्ब हो जाएगा।

क्या न करें: इसे डायरेक्ट कॉटन से हटाने की कोशिश न करें। इससे आपको पता नहीं चलेगा और पूरा बेस ही हट जाएगा।

ब्लशऑन हो गया डार्क

क्या करें: यह प्रॉब्लम मेकअप के दौरान अक्सर आती है। अगर आपका भी ब्लशऑन डार्क हो गया है, तो इसे बिना रीमूव किए ही लाइट किया जा सकता है। आप ब्रश से हल्के हाथ से लूज पाउडर डार्क एरिया पर लगाएं। इससे यह लाइट हो जाएगा। अगर आपको यह बहुत लाइट लग रह है, तो थोड़ा सा ब्लशऑन यूज करें।

क्या न करें: डार्क होने पर पूरा रीमूव नहीं करना। और पाउडर लगाते वक्त इसे प्रेस न करें। इससे मेकअप की हैवी लेयर दिखेगी।

जब आईब्रो हों ओवर ब्लैक

क्या करें: आईब्रो ज्यादा ब्लैक हो गई है, तो आप उन पर आई शेडो का यूज कर सकती हैं। यह ब्लैक या ब्राउन कलर का यूज करें। इसे लगाने के लिए एंग्युलर ब्रश का यूज करें। इसे इन्हें नेचरल लुक मिलेगा।

क्या न करें: आईब्रो के लिए कभी कभी आईब्रो पेंसिल का यूज न करें। यह आईब्रो एकदम आटिर्फिशल लुक देती है और ज्यादा डार्क कर देती है।

लिप लाइन मोटी हो गई

क्या करें- लिप लाइन मोटी हो गई है, तो ब्लोटिंग पेपर को लिप्स के बीच में लगाकर लिप्स प्रेस करें। इससे एक्स्ट्रा कलर पेपर में आ जाएगा और वह लाइट हो जाएगा। इसके बाद मोटी को पतली करनी होगी। इसके लिए हल्का सा फाउंडेशन और लूज पाउडर लिप्स पर लगाएं। अब आपके लिप्स को बेस मिल गया है। इसके दो-चार मिनट बाद दोबारा लाइनर से पतली लाइन बना सकती हैं।

क्या न करें: इसे कॉटन से पतली करने की कोशिश न करें। इससे यह ल्पि के बाहर भी फैल जाएगी और रेशेज हो सकते हैं।

त्वचा की देखभाल के लिए दही के आसान टिप्स

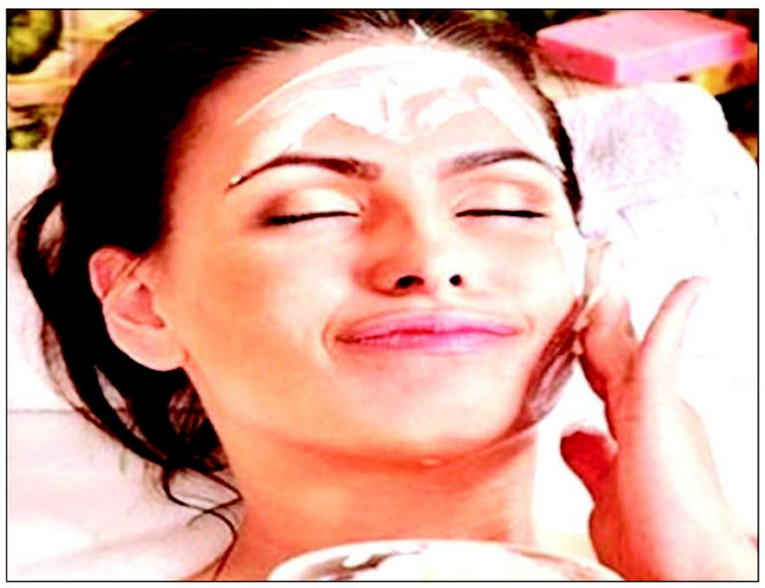

गर्मी के दिनों में धूप से बचने के लिए दही हमेशा से एक असरदार औषधि रही है। उबलती गर्मी के दिनों में हमारी त्वचा कैसे यह सब बर्दाश्त कर पाती है। इन सब का खामियाजा हमें कई समस्याओं के रूप में भुगतना पड़ता है, लेकिन आज हम आपके लिए एक ऐसा प्राकृतिक तरीका लेकर आए हैं जो आपकी त्वचा के लिए वरदान के समान है। आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते हैं कि आपकी कोमल त्वचा को सूरज की तेज किरणों के अलावा किन-किन चीजों को सामना करना पड़ता है। गर्मियों के मौसम में आप दही तो जरूर खाते होंगे, लेकिन अब आप इस दही के इस्तेमाल से अपनी त्वचा को निखारने के अलावा कई समस्याओं से भी निजात पा सकते हैं। दही के अंदर कैल्शियम, विटामिन डी भरपूर मात्रा में होता है। साथ ही हेल्थ के साथ-साथ त्वचा के लिए भी यह काफी फायदेमंद होती है। आज हम आपको त्वचा पर दही के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसमें आपको किसी तरह का आर्टिफीशियल फ्लेवर मिलाने की जरूरत नहीं है। आप सादा दही का प्रयोग भी काफी आसानी से कर त्वचा की समस्याओं से मुक्ति पा सकती हैं।

आपके लिए दही सबसे अच्छा ऑप्शन है। जिसका इस्तेमाल आप चेहरे पर कर सकती हैं। खाने में स्वादिष्ट लगने वाली इस दही में कई ऐसे गुण हैं जो त्वचा से संबंधित कई समस्याओं से आपको मुक्ति दिला सकते हैं। दही से आपको मिलेगी एकदम खिली-खिली निखरी त्वचा।

त्वचा के लिए दही क्या-क्या कर सकती है?

अगर आप बहुत ज्यादा सूरज की रोशनी का सामना करती हैं या ज्यादा वक्त खुले में रहती हैं तो सनबर्न जैसी समस्या को दूर करने में दही आपके लिए काफी कारगर साबित हो सकती है। यह स्वाभाविक रूप से आपकी त्वचा को डिटॉक्सीफाई करने के अलावा प्राकृतिक रूप से चमक देने का काम करती है। यह बढ़ती उम्र की निशानियों को छिपाने का अचूक उपाय है। साथ ही इसके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं हैं। दूध में मौजूद प्रोटीन दही के रूप में चेहरे पर इस्तेमाल करने से यह चेहरे की रंगत निखारने का काम करती है। साथ ही यह चेहरे पर चमक लाने के अलावा कॉम्प्लेक्शन और टैनिंग को भी रिमूव कर देती है। यह आपकी स्किन टोन से सन स्पॉट्स को भी हटाती है। इसके अलावा यह मुंहासे और चेहरे पर होने वाले दानों को भी हल्का करने का काम करती है।

त्वचा के लिए दही का कैसे करें उपयोग?

इस बात से आप शायद अंजान होंगे कि दही में जिंक मौजूद होता है, जो मुंहासे जैसी समस्याओं से निजात दिलाने में काफी कारगर है। वहीं इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड भी त्वचा को नमी प्रदान करने का काम करता है। जिसका इस्तेमाल करने से त्वचा एकदम हाइड्रेट और छूने पर एकदम सॉफ्ट लगती है, लेकिन ऑयली फेस वालों को इसके सीधे चेहरे पर इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। अगर वह दही का इस्तेमाल अपने चेहरे पर कर रहे हैं तो उन्हें इसमें नींबू के रस को मिलाकर लगाना चाहिए।

दही के कुछ फेस पैक

1. आप आधा कप दही में एक चम्मच नींबू के रस को अच्छे से मिलाएं। फिर इस मिक्सचर को फ्रिज में थोड़ी देर के लिए छोड़ दे। उसके बाद इस ठंडे पेस्ट को अपने चेहरे पर मसाज करते हुए लगाएं। आप अपने चेहरे के अलावा गर्दन पर भी इस पेस्ट से मसाज कर सकती हैं। इसे आपको कम से कम एक हफ्ते से करना है। जिसके बाद आपको कुछ ही दिनों में फर्क साफ दिखाई देने लगेगा।

2. आप चाहें तो अपने चेहरे पर सादा दही का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। यह आपकी त्वचा को पिंपल्स आदि की समस्याओं से दूर रखती है। साथ ही बढ़ती उम्र की निशानियों को भी कम करती है।

3. इसके अलावा आप 1/4 कप दही में एक चम्मच जैतून का तेल और दलिया को मिलाकर भी पेस्ट तैयार कर सकती हैं। इन तीनों को अच्छी तरह से मिलाने के बाद यह एक गाढ़ा पेस्ट बनकर तैयार हो जाएगा। फिर आप इसे अपने चेहरे पर लगाएं। साथ ही इसके सूखने पर हाथों को धीरे-धीरे घुमाते हुए रगड़ते हुए उतारें। फिर हल्के गुनगुने पानी की मदद से चेहरे को धो लें। यह चेहरे पर निखार लाने के लिए सबसे असरदार स्क्रब है।

4. वैसे आप 2 चम्मच पीसे हुए ओट्स में एक चम्मच दही, एक फेंटा हुआ अंडा मिलाकर इसका पेस्ट भी अपने चेहरे पर बनाकर लगा सकती हैं। इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर मसाज करते हुए लगाना चाहिए। इसके बाद इसे करीबन 15 मिनट के छोड़ दें और बाद में ठंडे पानी की मदद से चेहरे को धो लें।

5. अगर आप अपने चेहरे के कॉम्प्लेक्शन और टेक्स्चर से खुश नहीं हैं तो उसे सुधारने के लिए दही में कई तरह के फल जैसे कि नींबू, स्ट्रॉबेरी मिला लें। फिर इन तीनों का पेस्ट बनाकर चेहरे पर इसकी मसाज करें। करीबन 15 मिनट इसे ऐसे ही छोड़ दें। उसके बाद ठंडे पानी से चेहरे को धो लें।

6. आप थोड़ा सा सादा दही लें, फिर इसमें आधा आड़ू और आधा खीरा डालकर इसका पेस्ट तैयार कर लें। फिर इस पेस्ट को मिक्स कर इसे अपने फेस पर मसाज करते हुए लगाएं। करीबन 15 मिनट ऐसे ही छोड़ने के बाद इसे ठंडे पानी की मदद से धो लें।

7. शहद और दही को बराबर मात्रा में मिलाकर इससे अपने चेहरे की मसाज करनी चाहिए। इससे एक तो चेहरे पर जमी गंदगी साफ हो जाती है, साथ ही विषाक्त पदार्थों से छुटकारा मिलता है।

इन फेस पैक के रोजाना इस्तेमाल से यकीनन आपको अपनी त्वचा संबंधित सभी समस्याओं से मुक्ति मिल जाएगी। वहीं, इसकी सबसे खास बात यह है कि इन फेस पैक को बनाना और लगाना काफी आसान है। अगर आप त्वचा की देखभाल के लिए कोई सस्ता इलाज चाहते हैं तो दही एक बेहतर विकल्प है। तो त्वचा की हर तरह से देखभाल कर के इसे मुलायम बनाए रखता है

रेसिपी

चना सोया मसाला

सामग्री

1 कप भिगोए हुए काबुली चने, 1/2 कप सोया नगेट्स, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 2 टी-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1 टी-स्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 1/2 टी-स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1 टी-स्पून गरम मसाला, 1 टी-स्पून कसुरी मेथी, **सजाने के लिए**: 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

सोया नगेट्स को 10 मिनट के लिए गुनगुने पानी में भिगो दें, अच्छी तरह छानकर एक तरफ रख दें। सोया नगेट्स, काबुली चना, हल्दी पाउडर, नमक और 3/4 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में अच्छी तरह मिला लें और 3 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पूर्व सारी भाप निकलने दें। एक तरफ रख दें और पानी ना छानें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और ज़ीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज़ डालकर, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट के लिए भून लें। टमाटर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया-ज़ीरा पाउडर, गरम मसाला और कसुरी मेथी डालकर अच्छी तरह मिला ले और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए पका लें। पके हुए काबुली चना-सोया नगेट्स का मिश्रण (उनके पानी के साथ) और थोड़ा नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर और 2 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

ज़ीरा-पैपर रसम

सामग्री

मसाला के लिए: 1 स्पून घी, 1 स्पून काली मिर्च, 1 1/2 स्पून ज़ीरा, 1 1/2 स्पून तुवर दाल, 1 कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 1/4 स्पून हींग, **अन्य सामग्री**: 2 स्पून घी, 1 स्पून सरसों, 1/2 स्पून ज़ीरा, 1 कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 7-8 कड़ी पत्ते, 2 स्पून इमली का पल्प , 2 कप पानी के सात मिलाया हुआ, नमक स्वादअनुसार

विधि

मसाला के लिए: एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में घी गरम करें, सभी सामग्री डालकर धीमी आंच पर 2 से 3 मिनट या इनमें से खुशबू आने तक भून लें। हल्का ठंडा कर लें और 2 टेबल-स्पून पानी के साथ मिक्सर में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें।

आगे बढ़ने की विधी: एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में घी गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, ज़ीरा, लाल मिर्च और कड़ी पत्ते डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। इमली का पानी और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और धीमी आंच पर 4 से 5 मिनट या इमली की कच्ची खुशबू निकल जाने तक उबाल लें। तैयार पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिला लें और धीमी आंच पर और 2 मिनट के लिए उबाल लें। गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**